आईएसएसएन ISSN: 2455-9105

इकाEC

ईसीआईएल गौरव

'इलेक्ट्रानिक फ्यूज़' विशेषाँक

वर्ष-5 अंक-7 | अर्धवार्षिक हिन्दी गृहपत्रिका | अप्रैल-सितंबर, 2016

इलेक्ट्रानिकी में उत्कृष्टता

इकाEC

स्वर्ण जयंती वर्ष

उपलब्धियों का एक और गौरवशाली स्वर्णिम अध्याय .....

ईसीआईएल के माननीय निदेशकगण

ले.जन. नितिन कुमार कोहली, अविसेमे, विसेमे
कर्नल कमान्डेन्ट एवं सिगनल आफीसर-इन-चीफ

ले.जन. नितिन कुमार कोहली, अविसेमे, विसेमे, कर्नल कमान्डेन्ट एवं सिगनल आफीसर-इन-चीफ सेना सिगनल कोर के 1975 बैच के अधिकारी हैं। ये डिफेन्स सर्विसेस स्टाफ कालेज, वेलिंग्टन से स्नातकोत्तर हैं। अपने सैन्य जीवन में इन्होंने राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न रक्षा प्रतिष्ठानों एवं प्रशिक्षण संस्थानों का नेतृत्व किया है। इन्होंने स्ट्राइक सिगनल कोर की भी कमान सँभाली है। ले.जन. नितिन कुमार कोहली जून, 2009 से अगस्त 2010 तक आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडु, केरल एवं करनाटक क्षेत्र के जनरल ऑफीसर कमान्डिंग रहे। ये 28 फरवरी, 2014 से 31 जुलाई, 2016 तक ईसीआईएल में बोर्ड के निदेशक रहे। ईसीआईएल में बोर्ड के निदेशक के रूप में ले.जन. नितिन कुमार कोहली, अविसेमे, विसेमे; कर्नल कमान्डेन्ट एवं सिगनल आफीसर-इन-चीफ का योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

श्री के. जगन्नाथ, उत्कृष्ट वैज्ञानिक
कार्यपालक निदेशक (वै. एवं उ.), एनपीसीआईएल, मुंबई

श्री के. जगन्नाथ, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, एनपीसीआईएल, मुंबई का नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों की वैद्युत प्रणाली के अभिकल्प, कार्यान्वयन तथा विनियामक तकनीकी आवश्यकताओं की समीक्षा करने में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। इनको भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी), मुंबई में नव-नियुक्त अभियंताओं के लिए विजिटिंग अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया है। ये भारतीय मानक ब्यूरो की विभिन्न महत्त्वपूर्ण समितियों में सदस्य रह चुके हैं। श्री के. जगन्नाथ, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, कार्यपालक निदेशक (वैद्युत एवं उपकरणीकरण), एनपीसीआईएल, मुंबई 15 मई, 2013 से ईसीआईएल के निदेशक मंडल के सदस्य हैं।

श्री आर.ए. राजीव, भाप्रसे, संयुक्त सचिव (वित्त)
परमाणु ऊर्जा विभाग, मुंबई

श्री आर.ए. राजीव, भाप्रसे राजनीतिशास्त्र, अंग्रेजी साहित्य एवं गणित में स्नातक हैं। इन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र तथा मैक्सवेल स्कूल युनिवर्सिटी, सिराकस, न्यूयार्क, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका से लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। इनको भूमि राजस्व, जिला प्रशासन, ग्रामीण विकास, पर्यावरण एवं वन, पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण, वस्त्र, शहरी विकास, कृषि एवं सहकारिता के क्षेत्र में गहन अनुभव है। इन्होंने यू.के. में 'ग्रामीण गरीबी उन्मूलन' पर चार सप्ताह की अवधि का प्रशिक्षण प्राप्त किया। श्री आर.ए. राजीव, भाप्रसे ने 1 अक्टूबर, 2014 से परमाणु ऊर्जा विभाग में संयुक्त सचिव (वित्त) का पदभार ग्रहण किया है। श्री आर.ए. राजीव, भाप्रसे, संयुक्त सचिव (वित्त) परमाणु ऊर्जा विभाग, मुंबई 20 नवंबर, 2014 से ईसीआईएल के निदेशक मंडल के सदस्य हैं।

श्री संजीव सूद, संयुक्त सचिव (उद्योग एवं खनिज)
परमाणु ऊर्जा विभाग, मुंबई

श्री संजीव सूद ने भारतीय रेलवे सेवा में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में 1985 में प्रवेश किया। भारतीय रेलवे में इन्होंने राष्ट्रीय महत्त्व की विभिन्न तकनीकी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। इन्होंने विश्व बैंक की मुंबई शहरी परिवहन अवसंरचना परियोजना के क्रियान्वयन का नेतृत्व किया। श्री संजीव सूद ने फ्राँस, हालैन्ड, स्विटज़रलैन्ड, जर्मनी, जापान, हाँगकाँग एवं सिंगापुर के विभिन्न शहरों में उप नगरीय रेलवे प्रणाली का अध्ययन किया। इन्होंने 11 मई, 2015 को पऊवि में संयुक्त सचिव (उद्योग एवं खनिज) का पदभार ग्रहण किया। श्री संजीव सूद 3 नवंबर, 2015 से ईसीआईएल के निदेशक मंडल के सदस्य हैं।

ईसीआईएल गौरव

इस अंक में

ईसीआईएल की अर्धवार्षिक
हिन्दी गृहपत्रिका 'ईसीआईएल गौरव'

प्रधान संरक्षक
श्री पी. सुधाकर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
तथा अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति

संरक्षक
श्री वी.एस.बी. बाबु
निदेशक (कार्मिक)
तथा उपाध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति

मार्गदर्शक
श्री अनुराग कुमार
महाप्रबंधक (उपकरण एवं प्रणाली वर्ग
तथा निगमीय अनुसंधान एवं विकास)

संपादक
डॉ. राजनारायण अवस्थी
हिन्दी अधिकारी

संपादकीय सहयोग
श्री ए.पी. राजु, वरिष्ठ प्रबंधक
श्रीमती के. लक्ष्मी राणी, कार्यपालक सचिव
श्रीमती ओ. श्वेता, वरिष्ठ लेखा अधिकारी
श्रीमती एस. गौतमी, लेखा अधिकारी
श्रीमती पी.डी. रम्या तेजा, तकनीकी अधिकारी
श्री कुलदीप कुमार यादव, अभियंता

संपर्क पता
डॉ. राजनारायण अवस्थी
हिन्दी अधिकारी एवं संपादक 'ईसीआईएल गौरव'
इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड
ईसीआईएल (पो.), हैदराबाद - 500 062
फोन: 040-27182585
ई-मेल: drawasthi@ecil.co.in

विवरण	पृष्ठ संख्या

प्रधान संरक्षक की कलम से.....	 02
निदेशक (वित्त): शुभकामना संदेश	 03
निदेशक (कार्मिक): शुभकामना संदेश	 04
महाप्रबंधक (उपकरण एवं प्रणाली वर्ग): अपनी बात.....	 05
संपादकीय: कुछ लिखने से पहले.....	 06
हमारे प्रेरणा-स्तंभ	
डॉ. एम. आर. श्रीनिवासन	 07
ईसीआईएल के बढ़ते कदम	
ईसीआईएल: गौरवशाली स्वर्ण जयंती वर्ष में	 08
सम्मान एवं पुरस्कार	 14
एफएआईआर, जर्मनी अंतरराष्ट्रीय परियोजना में सहभागिता	 15
सी-डैक के साथ प्रौद्योगिकी-हस्ताँतरण समझौता	 16
टेट्रेडर, बेलारूस कंपनी के साथ समझौता-ज्ञापन	 17
तकनीकी स्तंभ	
इलेक्ट्रानिक फ्यूज़	 18
शुभागमन्-स्वागतम्	
हमारे माननीय अतिथिगण	 21
राष्ट्रीय समारोह	
स्वतंत्रता दिवस-2016 समारोह	 22
राजभाषा स्तंभ	
राजभाषा गतिविधियाँ: ईसीआईएल मुख्यालय, हैदराबाद	
संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण का आयोजन	 23
कनिष्ठ हिन्दी अनुवादकों के लिए प्रवेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम	 24
ईसीआईएल में राजभाषा सप्ताह का आयोजन	 25
राजभाषा प्रतियोगिता-2016 का परिणाम	 26
राजभाषा गतिविधियाँ: अधीनस्थ कार्यालय	 29
साहित्यिक आलेख	
डॉ. राउरी भारद्वाज: तेलुगु साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर	 35
महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम	
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस-2016	 36
महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम: झलकियाँ	 37
ईसीआईएल एवं निगमीय सामाजिक दायित्व	 38
साहित्यिक रचनाएँ: काव्याँजलि	 39
संदेशा आया है	 40

(गृहपत्रिका नि:शुल्क एवं केवल आँतरिक परिचालन हेतु है)
'ईसीआईएल गौरव' में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने हैं। यह आवश्यक नहीं है कि ईसीआईएल प्रबंधन या संपादन समिति की उनसे सहमति हो।

पी. सुधाकर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
तथा अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति

इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम
ईसीआईएल (पो.), हैदराबाद - 500 062
फोन (कार्या.): +91-40-27121055, 27182206
फैक्स: +91-40-27122535 ई-मेल: cmd@ecil.co.in
सीआईएन CIN: U32100TG1967GOI001149

प्रधान संरक्षक की कलम से.....

'ईसीआईएल गौरव' अंक-7 'इलेक्ट्रानिक फ्यूज़' विशेषाँक का प्रकाशन गौरव का विषय है। पत्रिका के विगत 6 अंकों का अखिल भारतीय स्तर पर पाठकों ने स्वागत किया। ईसीआईएल गौरव, अंक-6 'आरडीई प्रणाली' पर आधारित विशेषाँक था। नाभिकीय क्षेत्र में ईसीआईएल के बढ़ते कदमों की प्रशंसा की गई। ईसीआईएल अपनी स्थापना के प्रारंभिक वर्षों से ही प्रौद्योगिकी संचालित निगम रहा है। एफएआईआर (फेअर), जर्मनी अंतरराष्ट्रीय परियोजना में ईसीआईएल की सहभागिता, सी-डैक के साथ प्रद्योगिकी हस्ताँतरण समझौता तथा रक्षा प्रणालियों के लिए बेलारूस की कंपनी टेट्रेडर के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर ईसीआईएल के बढ़ते कदमों का परिचायक है। ईसीआईएल देश की सशस्त्र सेनाओं के लिए इलेक्ट्रानिक फ्यूज़, एयर बार्न रेडार, सी^{4}आई प्रणाली, संरक्षित एवं जैम-प्रतिरोधक संचार, इलेक्ट्रानिक युद्ध कौशल प्रणाली, प्रशिक्षण अनुकारक (सिमुलेटर), ऐन्टेना प्रणाली, उपग्रह नेटवर्क एवं संवेदक (सेन्सर्स) इत्यादि अत्यंत महत्त्वपूर्ण रक्षा प्रणाली एवं उत्पादों का विकास एवं विनिर्माण कर रहा है। हमने इस संबंध में 'रक्षा क्षेत्र में ईसीआईएल' का द्विभाषी प्रकाशन किया गया है। ईसीआईएल का यह अंक-7 'इलेक्ट्रानिक फ्यूज़' पर आधारित विशषाँक है। भारतीय सेना की आर्टिलरी में इनका प्रयोग किया जाता है। स्वदेशी इलेक्ट्रानिकी के माध्यम से रक्षा प्रौद्योगिकी को यथा-आवश्यकतानुसार रक्षा प्रणाली एवं रक्षा उत्पाद उपलब्ध कराना ईसीआईएल का संकल्प है। अब, हम 'स्वर्ण जयंती' वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं। राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग की दिशा के प्रति भी ईसीआईएल कृत-संकल्प होकर प्रयास कर रहा है। राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए हमारे आँचलिक कार्यालय (दक्षिण), बेंगलूरू को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के तत्त्वावधान में श्रीमती मृदुला सिन्हा, महामहिम राज्यपाल, गोवा द्वारा पुरस्कृत किया गया। ईसीआईएल के लिए यह अत्यंत गौरव की बात है। मैं 'ईसीआईएल गौरव' के माध्यम से आँचलिक कार्यालय (दक्षिण), बेंगलूरू के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लगातार तीसरी बार इस महत्त्वपूर्ण पुरस्कार को प्राप्त करने के लिए उनके अथक प्रयासों की प्रशंसा करता हूँ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि अपने 50 वर्षों के अनुभव के आधार पर इलेक्ट्रानिकी के प्रत्येक क्षेत्र में हम राष्ट्र की किसी भी सामरिक आवश्यकता के समाधान के लिए सक्षम हैं। 'ईसीआईएल गौरव' हमारे निगम की प्रगति की संवाहक है। आशा है कि पत्रिका के विगत अंकों की भाँति इस अंक पर भी हमें पाठकों से प्रतिक्रियाएँ प्राप्त होंगी।

शुभकामनाओं के साथ

पी.सुधाकर
(पी. सुधाकर)

जय हिन्द

किशोर रुंगटा
निदेशक (वित्त)

इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम
ईसीआईएल (पो.), हैदराबाद - 500 062
फोन (कार्या.): +91-40-27121522, 27182216
फैक्स: +91-40-27137509 ई-मेल: dirfin@ecil.co.in
सीआईएन CIN: U32100TG1967GOI001149

शुभकामना संदेश

'ईसीआईएल गौरव' अंक-7 'इलेक्ट्रानिक फ्यूज़' विशेषाँक पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है। किसी भी गृहपत्रिका का निरंतर प्रकाशन एक महत्त्वपूर्ण रचनात्मक प्रयास है। 'ईसीआईएल गौरव' के 7वें अंक के प्रकाशन पर मुझे आप सबसे संवाद करने का अवसर प्राप्त हुआ है। यह पत्रिका निगम में राजभाषा हिन्दी तथा नैगमिक स्तर के साथ-साथ आँचलिक, शाखा, यूनिट कार्यालयों में संचालित की जाने वाली राजभाषा कार्यान्वयन की विभिन्न गतिविधियों का दर्पण है। निगम के द्वारा विगत वर्षों में राजभाषा हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यालय के साथ-साथ नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलूरू, चेन्नै तथा तिरुपति स्थित आँचलिक, शाखा, यूनिट कार्यालयों में भी हिन्दी कार्यशालाओं, हिन्दी दिवस, हिन्दी सप्ताह एवं विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। ईसीआईएल प्रौद्योगिकी के विकास में निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। निश्चित रूप से यह सब आप सबकी सामूहिक संकल्पना एवं संकल्प का ही प्रतिफल है। वस्तुत:, संगठन की संकल्पना सामूहिक प्रयासों से ही साकार होती है। सामूहिकता में बड़ी शक्ति होती है। यदि किसी परियोजना के अनुसंधान एवं विकास तथा कार्यान्वयन पर सामूहिक रूप से एक साथ मिलकर आगे बढ़ें तो सफलता अवश्य मिलेगी। अनुसंधान एवं विकास के मार्ग में आने वाली चुनौतियों का एक साथ सामना करें। पत्रिका की समस्त रचनाएँ आपको सोचने-समझने तथा कुछ लिखने के लिए प्रेरित करेंगी। सभी रचनाओं में रचनाशीलता एवं रचनाधर्मिता का अप्रतिम समन्वय है। वैज्ञानिक, सामाजिक एवं साहित्यिक लेखों एवं विचारों को एक पत्रिका में समाहित करना प्रशंसनीय कार्य है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि सुधी पाठकगण इस अंक के माध्यम से ईसीआईएल की समुन्नत प्रौद्योगिकी को और अधिक समग्रता से समझ सकेंगे।

शुभकामनाओं के साथ

जय हिन्द

किशोर

(किशोर रुंगटा)

वी.एस.बी. बाबु
निदेशक (कार्मिक)
तथा उपाध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति

इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम
ईसीआईएल (पो.), हैदराबाद - 500 062
फोन (कार्या.): +91-40-27121484, 27182221
फैक्स: +91-40-27120033 ई-मेल: dirper@ecil.co.in
सीआईएन CIN: U32100TG1967GOI001149

शुभकामना संदेश

यह अत्यंत गर्व का विषय है कि 'ईसीआईएल गौरव' के अंक-7 'इलेक्ट्रानिक फ्यूज़' विशेषाँक का प्रकाशन किया जा रहा है। प्रकाशन की निरंतरता 'संपादन समिति' के अथक परिश्रम का परिचायक है। भाषा और प्रौद्योगिकी का अत्यंत गहरा संबंध है। प्रौद्योगिकी संचालित परियोजनाओं में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूपों में भाषा अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज हमारा राष्ट्र 'मेक इन इंडिया' की संकल्पना को साकार करने की दिशा में अग्रसर है। इस संकल्पना का मूल आधार स्वावलंबन एवं स्वदेशीकरण है। भाषा के बिना स्वावलंबन को प्राप्त नहीं किया जा सकता। अत: देश को स्वदेशीकृत करने के लिए भाषा को भी 'मेक इन इंडिया' से जोड़ना चाहिए। इस दिशा में निगमीय सामाजिक दायित्व के अंतर्गत ईसीआईएल आसपास के राजकीय विद्यालयों में शिक्षा की मूलभूत सुविधा और आधारभूत संरचना के विकास में सतत् प्रयासरत है। अनेक राष्ट्रीय संगठनों ने भी ईसीआईएल के निगमीय सामाजिक दायित्व प्रयासों की प्रशंसा की है। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, कौशल विकास तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सामाजिक विकास के प्रति ईसीआईएल निरंतर अग्रसर है। 'सबका साथ-सबका विकास' हमारा आदर्श वाक्य होना चाहिए। हमें इस संकल्पना से स्वयं प्रेरणा लेनी चाहिए एवं अपने आसपास के समाज को भी प्रेरित करते रहना चाहिए। राजभाषा का प्रचार-प्रसार हम सबका राष्ट्रीय कर्त्तव्य है। हमें इस बात का भी पूरा ध्यान रखना चाहिए कि राजभाषा हिन्दी में प्रकाशित निगम के प्रकाशनों की भाषा सरल, सहज, प्रवाहमय एवं उपयोक्ता के लिए पूर्णत: संप्रेषणीय हो। केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बेंगलूरू के तत्त्वावधान में आयोजित 'संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण' तथा निगम के आँचलिक एवं शाखा कार्यालयों में नव-नियुक्त कनिष्ठ हिन्दी अनुवादकों के लिए प्रवेशन पाठ्यक्रम प्रशिक्षण इस दिशा में निश्चित ही उपयोगी सिद्ध होगा।

पत्रिका की समस्त रचनाएँ पठनीय एवं संग्रहणीय हैं। रचना को सोचना, समझना और फिर मौलिकता के साथ उसे लिखना एक परिश्रमजन्य कार्य हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पत्रिका में प्रकाशित विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श होगा। पाठकों की प्रतिक्रियाएँ संपादन समिति, संपादक एवं लेखकों का उत्साहवर्धन करेंगी।

शुभकामनाओं के साथ

जय हिन्द

वी एस बी बाबु
(वी.एस.बी. बाबु)

अनुराग कुमार
महाप्रबंधक, उपकरण एवं प्रणाली वर्ग तथा निगमीय अनुसंधान एवं विकास

इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम
ईसीआईएल (पो.), हैदराबाद - 500 062
फोन (कार्या.): +91-40-27122734, 27182250
फैक्स: +91-40-27121611 ई-मेल: headig@ecil.co.in
सीआईएन CIN: U32100TG1967GOI001149

अपनी बात.....

'ईसीआईएल गौरव' अंक-7 'इलेक्ट्रानिक फ्यूज़' विशेषाँक के माध्यम से आप सबके साथ संवाद का सुअवसर प्राप्त होने पर मैं गौरव का अनुभव कर रहा हूँ। किसी भी संस्थान के कार्मिकों, उनके परिवारजनों एवं सम्मानित ग्राहकों से संवाद करने का गृहपत्रिका सर्वाधिक सशक्त एवं प्रभावशाली माध्यम है। 'ईसीआईएल गौरव' का प्रत्येक अंक 'विशेषाँक' के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। 'इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों' का उपयोग भारतीय सेना की आर्टिलरी में किया जाता है। किसी भी देश की सशस्त्र सेना में आर्टिलरी की सामरिक क्षमता की अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। ईसीआईएल के विशेष उत्पाद प्रभाग के कार्मिकों ने 'इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों' के उत्पादन में अत्यंत अथक परिश्रम के साथ अपना योगदान दिया है। आर्टिलरी की विभिन्न तोपों की सटीक मारक क्षमता एवं लक्ष्य-भेदन को सुनिश्चित करने के लिए 'इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों' की क्रियाशीलता अत्यंत महत्त्वपूर्ण होती है। ईसीआईएल के विशेष उत्पाद प्रभाग में 30,000 इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों का प्रतिमाह उत्पादन किया जाता है। अब तक उत्पादन किए गए 10 लाख इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों का उच्चतम तकनीकी मानकों पर सटीक तथा यथार्थ रहना ईसीआईएल की उत्कृष्ट कार्यशैली एवं गुणता प्रबंधन का परिचायक है। मैं 'ईसीआईएल गौरव' के माध्यम से विशेष उत्पाद प्रभाग के प्रमुख सहित समस्त कार्मिकों को शुभकामनाएँ देता हूँ। मूझे पूर्ण विश्वास है कि हम सबके सामूहिक प्रयासों से ईसीआईएल इसीप्रकार सफलता के अनेक आयामों को पार करेगा।

पत्रिका के इस अंक में वैज्ञानिक उत्पादों एवं परियोजनाओं को हिन्दी माध्यम से व्यक्त करने का सार्थक प्रयास किया गया है। विज्ञान की भाषा; साहित्यिक भाषा से शैली, शब्द विन्यास एवं वाक्य विन्यास के स्तर पर अलग होती है। वैज्ञानिक शब्दावली में लिप्यंतरण का प्रयोग किया गया है। इस संदर्भ में विशेषाँक की भाषा में सामंजस्य बनाए रखने का पूर्ण प्रयास किया गया है। संपादन समिति ने भी पूर्ण मनोयोग से इस अंक को पठनीय एवं संग्रहणीय बनाने का प्रयास किया है। आशा है कि सुधी पाठकगण अपनी प्रतिक्रियाओं से हमें अवश्य अवगत कराएँगे। 'ईसीआईएल गौरव' की प्रकाशन यात्रा में आपकी प्रतिक्रियाएँ ही हमारा संबल बनकर आगे का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

शुभकामनाओं के साथ

जय हिन्द

अनुराग

(अनुराग कुमार)

ईमानदार आदमी का सोचना लगभग हमेशा न्यायपूर्ण होता है---रूसो

संपादकीय

कुछ लिखने से पहले.....

भाषा अनादिकाल से मानव सभ्यता की प्रगति में विशेष रूप से सहायक रही है। हमारे वैज्ञानिकों के समस्त अनुभव एवं अनुसंधान हमें भाषा के माध्यम से ही प्राप्त हुए हैं। विज्ञान-प्रौद्योगिकी एवं भाषा का परस्पर अटूट संबंध है। हमारे समस्त शास्त्र, वैज्ञानिक ग्रंथ और उनसे प्राप्त होने वाला सम्पूर्ण लाभ, भाषा का ही परिणाम है। यही कारण है कि भारतवर्ष में प्राचीनकाल से ही वैज्ञानिक लेखन तथा ग्रंथों का प्रणयन हो रहा है। प्रख्यात वैदिक-कालीन भाषाशास्त्री एवं स्वनामधन्य कवि आचार्य दण्डी ने विश्वप्रसिद्ध काव्यशास्त्रीय ग्रंथ 'काव्यादर्श' में लिखा है कि.....

''इदमन्धन्तम: कृत्स्नं जायेत भुवनत्रयम्।
यदि शब्दाह्वयं ज्योतिरासंसार न दीप्यते।।''

अर्थात् ''यह सम्पूर्ण भुवन अंधकारपूर्ण हो जाता, यदि संसार में शब्द-स्वरूप ज्योति (भाषा) का प्रकाश न होता।'' इसी भाषा के माध्यम से ईसीआईएल की वैज्ञानिक उपलब्धियों से परिचित कराना हमारा परम उद्देश्य है। 'ईसीआईएल गौरव' अंक-7 'इलेक्ट्रानिक फ्यूज़' विशेषाँक आपके समक्ष सादर प्रस्तुत है। इस अंक में हम पाठकों को भारतीय सेना की आर्टिलरी की तोपों में प्रयुक्त होने वाले 'इलेक्ट्रानिक फ्यूज़' के सामारिक महत्त्व से परिचित करा रहे हैं। किसी भी देश की सशस्त्र सेना की सामारिक क्षमता में आर्टिलरी की युद्ध क्षमता का अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। भारतीय सैन्य इतिहास में 'कारगिल संघर्ष' के समय बोफोर्स तोपों के योगदान को कौन भूल सकता है। इस अंक में हम पाठकों को भारतीय आर्टिलरी (तोपखाना) को सशक्त, सक्षम और सामरिक दृष्टि से प्रभावी बनाने में ईसीआईएल के अत्यंत महत्त्वपूर्ण योगदान से अवगत कराएँगे। इस विशिष्ट तकनीकी आलेख लेखन के लिए मैं आदरणीय श्री जी.वी. रेड्डी, प्रमुख, विशेष उत्पाद प्रभाग का हृदय से आभारी हूँ।

फेयर अंतरराष्ट्रीय परियोजना, जर्मनी के साथ सहभागिता; सी-डैक के साथ प्रौद्योगिकी हस्ताँतरण तथा टेट्रेडर, बेलारूस कंपनी के साथ समझौता-ज्ञापन ईसीआईएल के प्रौद्योगिकीय विकास के परिचायक हैं। 'ईसीआईएल गौरव' के विगत अंकों में हमने हिन्दी के साहित्यकारों, उनकी रचनाओं तथा साहित्यिक योगदान से परिचित कराया। इस अंक से हम हिन्दी के साथ-साथ हमारी अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्यकारों से भी परिचित कराएँगे। प्रस्तुत अंक में तेलुगु साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता डॉ. राउरि भारद्वाज के साहित्यिक योगदान से परिचित कराया जा रहा है। ईसीआईएल के आँचलिक, शाखा एवं यूनिट कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन सुचारु रूप से अग्रसर है। हमारे आँचलिक कार्यालय (दक्षिण), बेंगलूरू को राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट निष्पादन के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) द्वारा लगातार तीसरी बार राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। अंतत:, मैं पत्रिका के इस अंक में योगदान देने वाले समस्त रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। 'ईसीआईएल गौरव' के सम्माननीय पाठकों के निरंतर सहयोग के लिए मैं सादर कृतज्ञ हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनका अमूल्य सहयोग इसी प्रकार प्राप्त होता रहेगा।

इसी आशा एवं अभिलाषा के साथ.....

(डॉ. राजनारायण अवस्थी)
हिन्दी अधिकारी एवं संपादक

उत्साह मनुष्य की भाग्यशीलता का मापदंड है---संत तिरुवल्लुवर

हमारे प्रेरणा-स्तंभ

डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन

मलुर रामासामी श्रीनिवासन का जन्म 5 जनवरी, 1930 बंगलोर (अब बेंगलूरू) में हुआ था। इन्होंने इन्टरमीडिएट कॉलेज, मैसूर से अपनी माध्यमिक शिक्षा प्राप्त की। इनके अध्ययन का माध्यम संस्कृत और अंग्रेजी था। भौतिक विज्ञान में इनकी विशेष रुचि थी, लेकिन इन्होंने श्री एम. विश्वेस्वरैया द्वारा स्थापित इंजीनियरिंग कॉलेज से सन् 1950 में मेकैनिकल इंजीनियरी में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। तदनंतर 1952 में इन्होंने स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। अभियाँत्रिकी के शोधपरक अध्ययन के प्रति इनकी गहरी रुचि थी। इनको 1954 में मैकगिल युनिवर्सिटी, कनाडा द्वारा डॉक्ट्रेट की डिग्री प्रदान की गई। इनकी विशेषज्ञता का क्षेत्र गैस टरबाइन प्रौद्योगिकी था।

डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन ने सितंबर, 1955 में परमाणु ऊर्जा विभाग में कार्यभार ग्रहण किया। इन्होंने डॉ. होमी जे. भाभा के साथ भारत के प्रथम नाभिकीय अनुसंधान रिएक्टर के निर्माण में कार्य किया। अप्सरा रिएक्टर सितंबर, 1956 में क्राँतिक हुआ। अप्सरा को क्राँतिक करने में डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। अगस्त 1959 में डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन को भारत के पहले परमाणु बिजली घर के निर्माण का प्रमुख परियोजना अभियंता नियुक्त किया गया। इसके बाद सन् 1967 में इनको मद्रास परमाणु बिजली घर में मुख्य परियोजना अभियंता के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन ने सितंबर, 1955 में परमाणु ऊर्जा विभाग में कार्यभार ग्रहण किया। इन्होंने डॉ. होमी जे.भाभा के साथ भारत के प्रथम नाभिकीय अनुसंधान रिएक्टर के निर्माण में कार्य किया

सन् 1974 में डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन को ऊर्जा परियोजना अभियाँत्रिकी प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग का निदेशक तथा 1984 में नाभिकीय विद्युत बोर्ड, परमाणु ऊर्जा विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस पद पर रहते इन्होंने देश की सभी नाभिकीय ऊर्जा परियोजनाओं की योजना, क्रियान्वयन एवं प्रचालन संबंधी दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। सन् 1987 में इनको परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष तथा परमाणु ऊर्जा विभाग का सचिव नियुक्त किया गया। ये न्यूक्लियर पावर कार्पोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के संस्थापक अध्यक्ष थे।

ये सन् 1990 से 1992 तक अन्तराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी, वियना के वरिष्ठ सलाहकार रहे हैं। इनके अन्य महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व निम्नलिखित हैं:-

- सदस्य, योजना आयोग, भारत सरकार: सन् 1996 से 1998 तक
- अध्यक्ष, उच्च शिक्षा कार्यदल, करनाटक सरकार: सन् 2002 से 2004 तक
- सदस्य, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड: सन् 2002 से 2004 तक तथा 2006 से 2008 तक
- संस्थापक सदस्य: वर्ल्ड एसोसिएशन आफ न्यूक्लियर ऑपरेटर्स

डॉ. एम.आर.श्रीनिवासन को निम्न लिखित राष्ट्रीय सम्मानों एवं पुरस्कारों से सम्मानित किया गया:

- पद्म श्री: सन् 1984
- पद्म भूषण: सन् 1990
- पद्म विभूषण: सन् 2015
- सिंचाई एवं ऊर्जा केन्द्रीय बोर्ड द्वारा हीरक जयंती सम्मान
- इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियर्स (भारत) द्वारा सर्वोत्तम डिजाइनर सम्मान
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए संजय गांधी सम्मान
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए ओमप्रकाश भसीन पुरस्कार
- भारतीय साइंस कांग्रेस द्वारा डॉ. होमी जे. भाभा स्वर्ण पदक
- विश्वेस्वरैया कॉलेज आफ इंजीनियरिंग, बेंगलूरू द्वारा विशिष्ट अलुमनस सम्मान
- भारतीय नाभिकीय सोसाइटी द्वारा डॉ. होमी जे. भाभा लाइफ टाइम सम्मान

परमाणु ऊर्जा विभाग में डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन के योगदान के प्रति राष्ट्र सदैव कृतज्ञ रहेगा।

◆

ईसीआईएल के बढ़ते कदम

ईसीआईएलः इलेक्ट्रानिकी में उत्कृष्टता के गौरवशाली स्वर्ण जयंती वर्ष में

*अनुराग कुमार **

ईसीआईएल की संकल्पना

''सामरिक इलेक्ट्रानिकी में देश को आत्म-निर्भरता प्राप्त करने हेतु योगदान देना''

ईसीआईएल का संकल्प

''परमाणु ऊर्जा, रक्षा, वाँतरिक्ष, नागर विमानन, सुरक्षा तथा सामरिक, आर्थिक और सामाजिक महत्त्व के अन्य क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए विशेष रूप से सामरिक इलेक्ट्रानिकी के क्षेत्र में राष्ट्र को उत्कृष्ट प्रौद्योगिकी प्रदाता के रूप में अपनी स्थिति को सशक्त करना''

राष्ट्रीय ध्वज के साथ ईसीआईएल का प्रशासनिक भवन

ईसीआईएल की स्थापना का गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास:

सन् 1960 के प्रारंभ में परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्ययन और नीतियों को स्थापित करने और परमाणु ऊर्जा के सदुपयोग हेतु ढाँचा प्रदान करने के लिए तथा बाद में डॉ. होमी जहाँगीर भाभा के नेतृत्व में परमाणु ऊर्जा संस्थान (एईईटी), ट्राम्बे का गठन किया गया था। डॉ. भाभा एक दूरदर्शी व्यक्ति थे। वे दृढ़तापूर्वक परमाणु ऊर्जा की दृढ़ता में विश्वास रखते थे और देश में व्यावसायिक ग्रेड इलेक्ट्रानिक उपकरणों के विकास के लिए एक सशक्त स्वदेशी आधार स्थापित करने की आवश्यकता का अनुभव करते थे। स्थल चयन हेतु परमाणु ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ सदस्यों के साथ गठित तकनीकी समिति ने हैदराबाद की संस्तुति की। तत्कालीन आन्ध्रप्रदेश सरकार ने इस प्रस्तावित नई इकाई के लिए सार्वजनिक स्थल में भूमि देने के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण सहयोग का हाथ बढ़ाया। इस इकाई का प्रमुख उद्देश्य था- 'इलेक्ट्रानिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना' ताकि हमारा देश नई तकनीक के माध्यम से विकसित देशों के साथ बराबरी पर हो और भारतीय वैज्ञानिकों तथा अभियंताओं के माध्यम से विकसित उत्पाद एवं प्रौद्योगिकी प्रदान की जा सके। इस प्रकार इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद की स्थापना 11 अप्रैल, 1967 को परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र कंपनी के रूप में की गई थी। प्रारंभ में (एईईटी) के लगभग 400 वैज्ञानिकों एवं अभियंताओं के साथ ईसीआईएल में कार्य प्रारंभ किया गया। यहीं से ईसीआईएल की वैज्ञानिक प्रगति का प्रस्थान बिन्दु आगे बढ़ता है। विगत पाँच दशकों में ईसीआईएल की प्रगति का विवरण इस प्रकार है:-

पहला दशक (1967-1977)

पहला दशक निम्न रूप से ईसीआईएल की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का स्वर्ण काल माना जा सकता है:-

1. कंपनी के पास परमाणु ऊर्जा संस्थान, ट्रॉम्बे/बीएआरसी, मुंबई से अनुसंधान एवं विकास संस्कृति विरासत में मिली थी।
2. यह कंपनी देश में अपनी तरह की पहली कंपनी थी जो पूर्णत: स्वदेशी तकनीक एवं प्रौद्योगिकी पर आधारित थी। इस कारण कंपनी के प्रत्येक वैज्ञानिक एवं अभियंता के हृदय में सफल होने की आकाँक्षा थी।
3. असीम उत्साह एवं समर्पण के साथ कार्यदल युवा एवं अनुभवी था। यह कार्यदल अथक परिश्रम एवं असीम ऊर्जा के साथ प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने के लिए संकल्पशील था।
4. इलेक्ट्रानिक्स विभाग सक्रिय रूप से ईसीआईएल के अनुसंधान एवं विकास और विस्तारित वित्तीय सहायता का समर्थन करता था।

* **श्री अनुराग कुमार**, महाप्रबंधक; उपकरण एवं प्रणाली वर्ग तथा निगमीय अनुसंधान एवं विकास हैं। ये राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जमशेदपुर से इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरी में स्नातक हैं। इनको व्यवसाय विकास, परियोजना विकास एवं इंजीनियरी, संयंत्र इंजीनियरी, असेम्बली तथा परीक्षण के क्षेत्र में 25 वर्ष से अधिक का अनुभव है।

ऐश्वर्य पद में नहीं, अपितु इस चेतना में है कि हम उसके योग्य हैं---अरस्तू

5. विदेशी मुद्रा की भारी कमी थी और आयात प्रतिबंध बहुत थे। इसलिए ईसीआईएल में आयात प्रतिस्थापन के लिए दबाव था।
6. सरलता से आयातित उपकरणों की अनुपलब्धता के कारण स्वदेश निर्मित उपकरणों का उपयोग करने के लिए उपयोगकर्ता वैज्ञानिकों एवं अभियंताओं के पास बहुत उत्साह था। इसके परिणामस्वरूप ईसीआईएल में बड़ी संख्या में तकनीकी उत्पादों को विकसित करना प्रारंभ हो गया। जैसे:- रेलवे के लिए ई-टाइप एक्साइटेशन प्रणाली, अल्ट्रासॉनिक फ्लॉ डिटेक्टर्स, स्पेक्ट्रो मीटर्स, आसिलोस्कोप, सामान्य चिकित्सा फाटेशियो मीटर्स तथा टैन्टलम कैपासिटर्स इत्यादि।

दूसरा दशक (1977-1987)

इस अवधि के दौरान अनुसंधान एवं विकास की संस्कृति बदल गई थी। देश में इलेक्ट्रानिकी उद्योग का सर्वांगीण विकास हो रहा था। इसलिए बाजार में प्रतिस्पर्धी होने के लिए और तेजी से विकास प्राप्त करने के लिए 'लीप फ्रॉगिंग' रणनीति अपनाई गई जिसमें चयनित क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया। इस कारण अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र आधारभूत उपकरण एवं कंपोनेन्ट से स्थानाँतरित होकर ग्राहकों की विशेषीकृत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अधिकतम माँग वाले उत्पादों एवं विकास में परिवर्तित हो गया।

विभिन्न क्षेत्रों के कुछ विशिष्ट उत्पाद

1. **संघटक**: रेजिस्टर्स से हाइब्रिड माइक्रोसर्किट्स में, एनआईसीडी बैटरीज से थर्मल बैटरीज में।
2. **उपकरण**: मानक उपकरणों (इन्स्ट्रूमेन्ट्स) से इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन (ईवीएम), पहचान पत्र इत्यादि, अग्नि अलार्म संसूचक से कस्टम बिल्ट फायर प्रीवेन्शन उपस्कर (इक्विपमेन्ट)।
3. **कंप्यूटर्स**: हार्डवेयर जैसे:- टीडीसी-316, टीडीसी-332 से अनुप्रयोग उत्पाद जैसे बैंकिंग, ईडीपी प्रणाली इत्यादि।
4. **संचार**: 'स्टैण्डर्ड माइक्रोसॉफ्ट की वीएचएफ/यूएचएफ इन्स्ट्रूमेन्ट्स से कस्टम बिल्ट संचार उपस्कर विशेषत:, प्रौद्योगिकी विभाग एवं सशस्त्र सेनाओं के लिए।

यद्यपि, ईसीआईएल ने कुछ प्रौद्योगिकियों को आयात किया। भारतीय तकनीकी परिस्थितियों और ग्राहकों की आवश्यकता के अनुरूप उत्पाद विकसित करने हेतु अनुसंधान एवं विकास के लिए यह आवश्यक था। इस श्रेणी के कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं:-

1. सुपर 32 कंप्यूटर सिस्टम: नॉर्स्क डाटा टेक्नॉलॉजी से उत्पन्न।
2. एसपीसी टेलेक्स: सीमेस टेक्नॉलॉजी से उत्पन्न।
3. टर्बो सुपरवाइजरी ऑटोमेशन पैकेज: सीमेस टेक्नॉलॉजी से उत्पन्न

डिजिटल कंप्यूटर

इलेक्ट्रानिक क्षेत्र तथा उपकरण एवं प्रणाली में तकनीकी विकास के कारण अनेक प्रौद्योगिकी क्षेत्र स्वत: बन गए थे। इस प्रकार प्रौद्योगिकी के समस्त क्षेत्रों पर अनुसंधान एवं विकास तथा उनका विनिर्माण ईसीआईएल के एक ही परिसर में होने लगा। तत्कालीन प्रतिस्पर्धा युग में इस प्रकार के उपकरणों के विकास के लिए यह अत्यंत आवश्यक था। उदाहरण के लिए जैसे; आटोमैटिक डाटा हैन्डलिंग प्रणाली को कंप्यूटर प्रौद्योगिकी, संचार प्रौद्योगिकी, नियंत्रण प्रणाली प्रौद्योगिकी में निपुणता तथा विशेष संघटकों के लिए बहु-स्तरीय पीसीबी और एचएमसी चाहिए। यह सभी प्रणाली एवं प्रौद्योगिकी ईसीआईएल के अंदर उपलब्ध थीं। देश में इलेक्ट्रानिकी उद्योग विकास के कारण प्रतिस्पर्धा बढ़ी और ग्राहक 'लागत तथा गुणता' के प्रति अधिक जागरूक हो गया। इसलिए ईसीआईएल ने अपना ध्यान उत्पादन तकनीक और गुणता संवर्धन में स्थानाँतरित कर दिया।

नियंत्रण कक्ष

प्रौद्योगिकी विभाग हेतु स्टोर एवं फारवर्ड टेलीग्राफ प्रणाली, सशस्त्र सेनाओं के लिए आटोमैटिक संदेश प्रणाली, ओसीएस (वर्तमान में बीएसएनएल) हेतु 'मैसेज रिट्राँसमिशन प्रणाली', भिलाई स्टील संयंत्र हेतु बिल्ट कटिंग मशीन, अंतरिक्ष में अनुप्रयोग हेतु उपग्रह ट्रैकिंग प्रणाली, कल्पाक्कम में फास्ट ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर हेतु कंप्यूटर नियंत्रण प्रणाली, विश्लेषक, बहुभाषिक अनुप्रयोग हेतु कंप्यूटर, बीमा अनुप्रयोग हेतु कामर्शियल डाटा प्रॉसेसिंग प्रणाली इत्यादि। इस दूसरे दशक की अवधि में ईसीआईएल द्वारा महत्त्वपूर्ण ग्राहक अनुकूल कंप्यूटर प्रणाली विकसित की गई।

तीसरा दशक (1987-1997)

तीसरा दशक तकनीकी और प्रौद्योगिकी के सुदृढ़ीकरण पर केन्द्रित रहा। तीसरे दशक में विकसित उपकरण और उपकरण प्रणाली, इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन (ईवीएम), पीसी आधारित स्पेक्ट्रोमीटर, पीसी आधारित मल्टीचैनेल विश्लेषक, अग्नि अलार्म प्रणाली, कंप्यूटरीकृत लेजर पहचान पत्र, प्रिन्टिंग प्रणाली के समुन्नत संस्करण पर अनुसंधान एवं विकास तथा विनिर्माण कार्य किया गया। एक्सरे बैगेज उपस्कर, औद्योगिक थिकनेस गेज़ आदि के समुन्नत संस्करण का कार्य भी प्रगति पर था।

टीवीआरओ ऐन्टेना की आपूर्ति तीसरे दशक में भी जारी थी। इसके अतिरिक्त ईसीआईएल ने उपग्रह की इनसेट सीरीज के साथ कार्य करने के लिए 120 अर्थ स्टेशन ऐन्टेना एवं 40वीं सैट टर्मिनल का सफलतापूर्वक निष्पादन किया। इस दौरान सशस्त्र सेनाओं के लिए पीटीए परियोजना हेतु विशेष उत्पाद जैसे पिल बॉक्स हार्न ऐन्टेना को भी विकसित किया गया। ईसीआईएल ने मीडियम वेव ब्रॉडकास्टिंग हेतु सेल्फ-रेडिएटिंग मास्टर्स और शार्ट वेव ब्रॉडकॉस्टिंग हेतु हाई पॉवर कर्टेन ऐन्टेना के लिए सेल्फ सपोर्टिंग टॉवर्स की डिजाइन एवं आपूर्ति की। आँतरिक अनुसंधान एवं विकास तथा सहयोग के प्रयासों के साथ-साथ इस दशक के दौरान माइक्रो रेन्ज में माइक्रो-32 एवं यूनीपॉवर सीरीज आफ सिस्टम्स, आरआईएसी प्रॉसेसर प्रणाली एवं समानांतर प्रॉसेसिंग प्रणाली महत्त्वपूर्ण हार्डवेयर को विकसित किया गया। जर्मनी के मेसर्स सीमेन्स के तकनीकी सहयोग से ईसीआईएल में स्टोर्ड प्रोग्राम नियंत्रित टेलेक्स स्विचेज का विनिर्माण किया गया। पर्याप्त स्वदेशीकरण के प्रयासों का प्रयोग परियोजनाओं में हो रहा था और अनेक महत्त्वपूर्ण सब-स्टेशनों के स्वदेशी प्रतिस्थापन के माध्यम से महत्त्वपूर्ण विदेशी विनिमय की बचत हुई।

मेसर्स मार्स्क डाटा आफ नार्वे के तकनीकी सहयोग से ईसीआईएल में सुपर 32 कंप्यूटर तैयार किए गए थे और कंपनी के सहयोग से प्रथम वर्ष में ही विनिर्माण प्रणाली के द्वितीयक स्तर को प्रारंभ किया गया। आईटीआई द्वारा निर्मित किए जा रहे ई-10 बी एक्सचेंज में उपयोग के लिए फ्राँस के मित्रा कंप्यूटर्स पर आधारित प्रणाली को प्रतिस्थापित करने के लिए ओएमसी (ऑपरेशन एंड मेन्टेनेन्स सेन्टर) सिस्टम में ईसीआईएल का बहुत ही सार्थक आयात प्रतिस्थापन प्रयास रहा। ईसीआईएल ने अपने ग्राहक विशेष सॉफ्टवेयर विकास के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली में फ्रंट आफिस आटोमेशन का मार्ग दिखलाया।

चौथा दशक (1997-2007)

ईसीआईएल के संचालन का चौथा दशक वर्ष 1997 से प्रारंभ हुआ। जहाँ 'प्रोडक्ट मिक्स' धीरे-धीरे मानक अनुप्रयोगों से परमाणु ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष, नागरिक उड्डयन के विशेष क्षेत्र को सम्मिलित करते हुए सामरिक अनुप्रयोग में स्थानाँतरण ही प्रमुख विशेषता रही। पहले से नागरिकों को प्रदान करने वाले विभिन्न उत्पाद एवं अन्य अनुप्रयोगों को प्रबंधित करने वाले प्रभागों ने सामाजिक लाभ के लिए अनुप्रयोग तथा सामरिक अनुप्रयोग पर ध्यान केन्द्रित करना प्रारंभ कर दिया। उपकरण वर्ग ने एकीकृत सुरक्षा प्रणाली सहित सुरक्षा संबंधित अनुप्रयोगों पर ध्यान देने के लिए आँतरिक रूप से अपने परिचालन को पुनर्विन्यासित किया। संघटक प्रभाग ने रक्षा, अंतरिक्ष एवं सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए उपयोगी नए उत्पाद 'माइक्रोवेव कंपोनेन्ट' का शुभारंभ किया।

औषधियों में सर्वोत्तम औषधि विश्राम एवं निराहार है---फ्रेंकलिन

मिसाइल चेक-आउट सुविधा

व्यवसाय विकास प्रभाग जो अब तक कंप्यूटर हार्डवेयर सँभाल रहा था, अब नागरिक सेवाओं से संबंधित अनुप्रयोग एवं ई-अभिशासन अनुप्रयोगों पर कार्य करना प्रारंभ कर दिया। ऐन्टेना प्रभाग जो विभिन्न प्रकार के पारंपरिक ऐन्टेना का विनिर्माण कर रहा था अब भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी), मुंबई के सहयोग से उन्नत ऐन्टेना का विनिर्माण शुरू किया।

पाँचवाँ दशक (2007 से अब तक)

ईसीआईएल विश्व स्तर की कुछ ऐसी कंपनियों में से है जो एक ही परिसर में सभी सामरिक इलेक्ट्रानिकी क्षेत्रों के समस्त समाधान हेतु बहु-प्रौद्योगिकी को प्रदान कर सकती है। ईसीआईएल की प्रभावी ढंग से विभिन्न प्रकार के उपकरणीकरण नियंत्रण एवं आटोमेशन, आर एफ संचार, दूर संचार, ऐन्टेना आदि पर कंप्यूटर हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियों को विकसित एवं संस्थापित करने की अद्वितीय क्षमता से समय-समय पर प्रभावी सैन्य प्रौद्योगिकी के लिए अपेक्षित कौशल का उपयोग करने में ईसीआईएल को काफी लाभ हुआ।

पुलिस नियंत्रण कक्ष

लघु संघटकों से लेकर जटिल प्रणालियों तक तथा उपकरणीकरण, संचार तथा कंप्यूटर प्रौद्योगिकियों के समावेशन ने आज ईसीआईएल को एक बहु-उत्पाद तथा बहु-प्रौद्योगिकी संगठन के रूप में विकसित कर दिया है। इसी कारण आज ईसीआईएल, परमाणु ऊर्जा, रक्षा, वाँतरिक्ष, इलेक्ट्रानिक सुरक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी तथा ई-अभिशासन

मंगलयान मिशन के लिए 32 मीटर डीएसएन ऐन्टेना

के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय परियोजनाओं में समुन्नत प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध करा रहा है। आज देश भर में सभी स्वदेशी निर्मित नाभिकीय संयंत्र ईसीआईएल द्वारा महत्त्वपूर्ण उपकरणीकरण एवं नियंत्रण प्रणाली द्वारा अभिकल्पित एवं विनिर्मित हैं।

ईसीआईएल भारत की जमीनी, समुद्री व हवाई सुरक्षा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इलेक्ट्रानिकी एवं संचार प्रौद्योगिकियों में अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करती है। इसमें डिजिटल ट्राँसमिशन प्रणाली, इलेक्ट्रानिक युद्ध कौशल, कॉमिन्ट, मिसाइल सपोर्ट प्रणाली, क्रिप्टो समाधान सम्मिलित हैं। ईसीआईएल ने 'आकाश', 'त्रिशूल' तथा 'ब्रह्मोस' मिसाइल के लिए सी^{4}आई

अंटार्कटिका में ईसीआईएल

मिसाइल सपोर्ट प्रणालियों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। ईसीआईएल सशस्त्र सेनाओं के लिए सटीक वैद्युत-यांत्रिक उपकरणों की व्यापक रेंज का भी निर्माण करता है। इनमें गाइरो, सिन्क्रोस, गाइरो स्टैब्लाइज्ड हॉरिजंटल रोल बार, प्रणाली जलपोतों पर माउन्टेड हेलीकॉप्टर्स के लिए लैंडिंग सहायता उपकरण तथा अनमैन्ड एरियल वेहकल्स तथा सॉलिड स्टेट कॉकपिट वायस रिकॉर्डर के लिए एक्चुएटर्स सम्मिलित हैं।

अपनी स्थापना के समय से ही अंतरिक्ष विभाग के प्रौद्योगिकी सहयोगी के रूप में ईसीआईएल ने कई भू-स्टेशन ऐन्टेना प्रणालियों को विकसित किया। ईसीआईएल ने ट्रैकिंग तथा दूरमिति कमान्ड और इनसैट शृंखला उपग्रहों की निगरानी के लिए 14 मीटर व्यास की ऐन्टेना कमान्ड का विनिर्माण तथा आपूर्ति की है। भारत के प्रथम चंद्र अभियान (चंद्रयान-1) के लिए 32 मीटर डीप स्पेस नेटवर्क ऐन्टेना का अभिकल्प, विनिर्माण और प्रचालन ईसीआईएल द्वारा प्रारंभ किया गया। भारतीय वाँतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में यह एक अप्रतिम सफलता वाला प्रथम निर्माण था। ईसीआईएल ने हानले, लद्दाख में 'मेस' दूरदर्शक तथा अंटार्कटिका में सेटकॉम को भी स्थापित एवं प्रचालित किया।

ईसीआईएल एकीकृत सुरक्षा प्रणाली के लिए देश का प्रमुख एवं अग्रणी 'सिस्टम इंटीग्रेटर' तथा 'सॉल्युशन आर्किटेक्ट' है। यह उद्यम सामारिक प्रतिष्ठानों, बड़ी औद्योगिक इकाइयों, रक्षा स्थापनाओं तथा अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के लिए विश्वसनीय समाधान उपलब्ध कराने में लब्धप्रतिष्ठ है। ईसीआईएल की सुरक्षा प्रणाली भारतीय संसद भवन, नई दिल्ली; दिल्ली सचिवालय; दिल्ली मेट्रो, दिल्ली सिटी मार्केट, सीमा जाँच चौकियों, दिल्ली उच्च न्यायालय तथा देश भर में फैले नाभिकीय प्रतिष्ठानों में संस्थापित है। ईसीआईएल बिक्री कर आटोमेशन, पास कंप्यूटरीकरण, इलेक्ट्रानिक लैंड रिकॉर्डस आटोमेशन, मार्केट यार्ड सूचना प्रणाली, हॉस्पिटल सूचना प्रबंधन प्रणाली (एचआईएमएस) जैसे ई-अभिशासन के क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध कराता है। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर परियोजना के अंतर्गत ईसीआईएल को विभिन्न राज्यों में डाटा डिजिटलीकरण, बायोमीट्रिक नामाँकन और कार्ड पर्सनालाइजेशन का उत्तरदायित्व सौंपा गया है।

प्रमाणिका

ईसीआईएल का एक अन्य अत्यंत महत्त्वपूर्ण उत्पाद जिसने पूरे देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त एवं पारदर्शी करने के उद्देश्य से मतदान प्रणाली में क्राँति ला दी है, वह है ..... इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन (ईवीएम)। ईवीएम अपने क्षेत्र में प्रामाणिक, सरल, यथार्थ और सशक्त है। ईवीएम ने निर्वाचन प्रणाली को सरल बनाने तथा भारतीय लोकतंत्र को सशक्त करने में बड़ी सहायता की है। ईसीआईएल ने मतदाता सत्यापन पेपर आडिट ट्रायल (वीवीपैट) प्रिन्टर का भी विकास किया है। इसकी विशेषता यह है कि मतदाता जिस प्रत्याशी के पक्ष में अपना मतदान करेगा उस प्रत्याशी का नाम चुनाव चिह्न के साथ डिजिटल प्रिन्ट होकर मतदाता को दिखाई देगा।

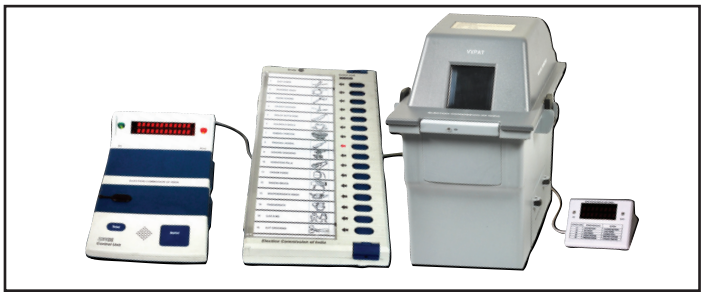

इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन (ईवीएम): वीवीपैट के साथ

ईसीआईएल: निगमीय सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के क्षेत्र में

ईसीआईएल नैतिकता की दृष्टि से कार्य करने तथा समुदाय एवं सामाजिक जीवन में सुधार लाने के लिए अपने व्यवसाय के माध्यम से समाज में सामंजस्यपूर्ण और सतत् विकास में योगदान

निगमीय सामाजिक दायित्व के अंतर्गत निःशुल्क चिकित्सा परीक्षण

काम की अधिकता नहीं, अनियमिता आदमी को मार डालती है---महात्मा गांधी

डॉ. ए. एस. राव

ईसीआईएल के संस्थापक जनक

संभवत:, भारतीय केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का कोई भी संस्थापक ऐसा नहीं है जिसने संगठन के साथ डॉ. ए.एस. राव जैसी पहचान बनाई है। भारतीय तकनीकी और प्रौद्योगिकी जगत में आज डॉ. ए.एस. राव और इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) एक दूसरे के पर्याय बन गए हैं। संस्था का व्यक्तित्व के साथ और व्यक्तित्व का संस्था के साथ ऐसा तादात्म्य अप्रतिम है।

डॉ. ए.एस. राव ने डॉ. होमी जे. भाभा के सक्रिय नेतृत्व में भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी), मुंबई में अनेक वर्ष व्यतीत किए। ईसीआईएल में डॉ. ए.एस. राव ने 'स्वावलंबन' के आदर्श वाक्य को मूल ध्येय के रूप में स्थापित किया। उन्होंने लगभग 10 वर्षों तक (29 अगस्त, 1967 से 31 मई, 1978) ईसीआईएल का नेतृत्व किया। उनके कार्यकाल में ईसीआईएल में तकनीकी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में असीम ऊँचाइयों तथा उपलब्धियों को स्पर्श किया। इस अवधि में राष्ट्र के लिए आवश्यक प्रत्येक महत्त्वपूर्ण तकनीकी उत्पाद को ईसीआईएल में विकसित एवं विनिर्मित किया गया। भारत सरकार ने तकनीकी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्वावलंबन के आधार पर अनुसंधान एवं विकास करने के लिए डॉ. ए.एस. राव को वर्ष 1960 में 'पद्म श्री' 1972 में 'पद्म भूषण' सम्मान से सम्मानित किया। इसीआईएल परिवार युगो-युगों तक डॉ.ए.एस. राव का कृतज्ञ रहेगा।

देने के लिए प्रतिबद्ध है। ईसीआईएल द्वारा किए गए निगमीय सामाजिक दायित्व कार्यक्रम समाज के समग्र कल्याण के लिए उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। ईसीआईएल ने अपने निगमीय सामाजिक दायित्व कार्यकलापों के माध्यम से चार प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की है: शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल-विकास एवं पर्यावरण संरक्षण।

''हमें ईसीआईएल पर पूर्ण विश्वास है कि यह भारत के विशाल वंचित युवाओं के लिए लाभकारी रोजगार हेतु एक सहज एवं सुलभ परिवेश में अच्छे विद्यालयों में शिक्षा का अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराएगा। यह हमें बहुत संतोष व खुशी देगा यदि हम अपने निगमीय सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यकलापों के माध्यम से इस लक्ष्य की प्राप्ति की ओर अपना पूर्ण योगदान देंगे।''

पी. सुधाकर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा
अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति

कंपनी सहर्ष सूचित करती है कि उसके निगमीय सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यकलाप समुदाय एवं समाज के जीवन की गुणता में समुन्नत सुधार लाने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ योगदान दे रहे हैं।

अपने 49 वर्षों से अधिक अनवरत, निरंतर एवं अजस्र प्रवाहशील यात्रा करते हुए ईसीआईएल आज 'स्वर्ण जयंती' वर्ष में राष्ट्र की प्रगति के लिए संकल्पशील है। ईसीआईएल ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को प्रेरित किया है। आज ईसीआईएल एक तकनीकी और प्रौद्योगिकीपरक उद्यम की अंतरराष्ट्रीय पहचान के साथ-साथ 'सामाजिक पहचान' के संदर्भ में भी मील का पत्थर बन गया है।

ईसीआईएल: प्रौद्योगिकी नव-प्रवर्तन में सर्वप्रथम.....

ईसीआईएल को राष्ट्रीय स्तर की अनेक प्रौद्योगिकियों के नव-प्रवर्तन का गौरवशाली श्रेय है:-

- सॉलिड स्टेट टेलीविजन (ईसी टीवी)
- इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन (ईवीएम)
- चंद्र मिशन 'चंद्रयान' तथा मंगल मिशन 'मंगलयान' के लिए अर्थ स्टेशन ऐन्टेना, 32 मीटर डीएसएन ऐन्टेना
- नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों के लिए नियंत्रण एवं उपकरणीकरण
- डिजिटल कंप्यूटर्स एवं ऑपरेटिंग प्रणाली
- विकिरण निगरानी एवं जाँच प्रणाली
- विश्लेषणात्मक एवं माप उपकरण
- प्रोग्रामकारी लॉजिक नियंत्रक
- सॉलिड स्टेट कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर

◆

भारत का सर्वोच्च पीएसयू पुरस्कार-2016

श्री पी. सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीआईएल भारत का सर्वोच्च पीएसयू पुरस्कार-2016 प्राप्त करते हुए

ईसीआईएल को इलेक्ट्रानिकी के क्षेत्र में 50 वर्षों से उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत का सर्वोच्च पीएसयू पुरस्कार-2016 प्रदान किया गया। यह पुरस्कार श्री पी. सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीआईएल ने 22 अगस्त, 2016 को नई दिल्ली में प्राप्त किया।

सर्वश्रेष्ठ उद्योग पुरस्कार

ब्रह्मोस एरोस्पेस मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'ब्रह्मोस दिवस' समारोह में ईसीआईएल को इस वर्ष का सर्वश्रेष्ठ उद्योग पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. एस.क्रिस्टोफर, महानिदेशक एवं सचिव, रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) ने श्री पी.सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीआईएल को एक भव्य समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया। ब्रह्मोस के प्रारंभिक विकास के समय से ही ईसीआईएल उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहभागी रहा है। ब्रह्मोस की ग्राउन्ड नियंत्रण प्रणाली उत्पादन की सुविधाएँ, एकीकरण, परीक्षण एवं सक्षम प्रणाली के विकास करने के साथ-साथ ब्रह्मोस के मोबाइल कमान्ड पोस्ट एवं स्वत: प्रक्षेपण प्रणाली को ईसीआईएल भारतीय सेना तथा वायुसेना की आवश्यकतानुसार विकसित करता है। ईसीआईएल भारतीय सेना तथा वायुसेना को सामरिक क्षेत्र में संचालन हेतु अनुकारक (सिमुलेटर) के माध्यम से प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त ईसीआईएल द्वारा ब्रह्मोस के संचालन हेतु एयरबार्न रेडार प्रणाली का विकास भी किया गया।

श्री पी. सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीआईएल सर्वश्रेष्ठ उद्योग पुरस्कार प्राप्त करते हुए

स्कॉच पुरस्कार-2016

ईसीआईएल को विकिरण संसूचन उपस्कर प्रणाली के उत्कृष्ट परिनियोजन तथा निगमीय सामाजिक दायित्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए स्कॉच पुरस्कार-2016 प्रदान किया गया।

प्रौद्योगिकी के उत्कृष्ट परिनियोजन के लिए 'स्कॉच पुरस्कार'

निगमीय सामाजिक दायित्व में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'स्कॉच पुरस्कार'

'ईसीआईएल गौरव' संपादन समिति की ओर से इस उपलब्धि के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ

ईसीआईएल की उपलब्धियों में..... एक और नया पंख

गुणता सर्कल को 'स्वर्ण पुरस्कार' सम्मान

ईसीआईएल की कार्य-प्रणाली में गुणता आश्वासन को प्रमुख स्थान दिया जाता है। निगम की 'लक्ष्य' टीम ने 'गुणता सर्कल अभिसमय', हैदराबाद चैप्टर द्वारा वर्ष-2016 में आयोजित प्रतियोगिता 'स्वर्ण पुरस्कार श्रेणी' में पुन: अपना इतिहास दोहराया है। 'लक्ष्य' टीम ने 'मेकैनिकल फिक्चर्स विद इन्डेक्स प्लन्जर फॉर इन्टीग्रेशन आफ मॉड्यूल्स इन वी/यूएचएफ ट्राँससीवर का विकास किया। ईसीआईएल की 'लक्ष्य' टीम ने लगातार चौथी बार इस उपलब्धि को प्राप्त किया है।

इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी 'लक्ष्य' टीम के सदस्य हैं:-

* श्री पी. एल. चक्रवर्ती, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक: समन्वयक
* श्री एन. ज्ञानप्रकाश, वरिष्ठ प्रबंधक: विवाचक
* श्रीमती सीएच.अरुणाकुमारी, वरि. तक. अधिकारी: टीम लीडर
* श्रीमती एस. श्रीवाणी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी: सदस्य
* श्री ललित राही, तकनीकी अधिकारी: उप टीम लीडर
* श्री समीर दुबे, तकनीकी अधिकारी: सदस्य

पुरस्कार प्राप्त करते हुए (बाएँ से) श्री पी. एल. चक्रवर्ती, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक (समन्वयक); श्री एन. ज्ञानप्रकाश, वरिष्ठ प्रबंधक (विवाचक); श्री ललित राही, तकनीकी अधिकारी, उप टीम लीडर; श्रीमती एस. श्रीवाणी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (दाएँ से) श्री समीर दुबे, तकनीकी अधिकारी; श्रीमती सीएच.अरुणाकुमारी, वरि. तक. अधिकारी

अनुसंधान एवं विकास सहयोग

एफएआईआर (फेअर), जर्मनी अंतरराष्ट्रीय परियोजना में सहभागिता

ईसीआईएल ने 'एन्टी-प्रोटान एवं ऑयन अनुसंधान सुविधा (एफएआईआर)', जर्मनी के लिए 9 जुलाई, 2016 को दो 'परा-स्थिर ऊर्जा परिवर्तक (अल्ट्रा स्टेबल पॉवर कन्वर्टर्स)' प्रस्थानित किया। फेअर; एक अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक कार्यक्रम है जिसमें अब तक ब्रह्माँड के अज्ञात रहस्यों पर अनुसंधान किया जाएगा। ईसीआईएल द्वारा विकसित ऊर्जा परिवर्तकों (पॉवर कन्वर्टर्स) के माध्यम से फेअर, जर्मनी में कार्य रहे वैज्ञानिकों को विभिन्न कण-भौतिकीय अनुप्रयोगों में उप-परमाणु कणों की उच्च यथार्थ बीम को उत्पन्न करने तथा उनको प्रकाश की गति के समान त्वरित एवं विक्षेपित करने में सहायता मिलेगी। ईसीआईएल को 600 ऊर्जा परिवर्तकों के विन्यास का कार्य दिया गया है। इन ऊर्जा परिवर्तकों को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च मानकों के अनुसार परीक्षण में अनुप्रयोग के लिए उपयुक्त पाया गया है। अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में ईसीआईएल की यह एक महानतम उपलब्धि है। ईसीआईएल ने पारंपरिक ढंग से दो ऊर्जा परिवर्तकों को जर्मनी के लिए प्रस्थानन हेतु मुख्य अतिथि के रूप में श्री के.एन. व्यास, निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी), मुंबई को आमंत्रित किया था। निदेशक, बीएआरसी ने अपने व्याख्यान में कहा कि ईसीआईएल का यह योगदान राष्ट्र की एक महत्त्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि है। कार्यक्रम में सम्माननीय अतिथियों तथा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

ईसीआईएल को 600 ऊर्जा परिवर्तकों के विन्यास का कार्य दिया गया है। इन ऊर्जा परिवर्तकों का अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च मानकों के अनुसार परीक्षण में अनुप्रयोग के लिए उपयुक्त पाया गया है। अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में ईसीआईएल की यह एक महानतम उपलब्धि है

ने निगम की गृहपत्रिका 'ईसीआईएल गौरव' अंक-6 'आरडीई' विशेषाँक का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में ईसीआईएल के समस्त प्रभाग एवं वर्ग प्रमुख तथा वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

ईसीआईएल द्वारा निर्मित अत्याधुनिक परा स्थिर ऊर्जा परिवर्तकों की पहली परेषण को हरी झंडी दिखाकर जर्मनी के लिए प्रस्थानित करते हुए श्री के.एन व्यास, निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुंबई। अवसर पर उपस्थित डॉ. आलोक चक्रवर्ती, निदेशक, परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रान केन्द्र (वीईसीसी),कोलकाता; डॉ. डी.के.श्रीवास्तव, पूर्व निदेशक, वीईसीसी, कोलकाता; डॉ. शुभाशिष चट्टोपाध्याय, परियोजना निदेशक इंडो-एफएआईआर (फेअर) तथा श्री पी. सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीआईएल

एफएआईआर (फेअर) एक बहु-राष्ट्रीय परियोजना है जिसमें भारत सहित 10 देश सहयोग प्रदान कर रहे हैं। इस परियोजना में ईसीआईएल को लगभग 270 करोड़ रुपयों के उपस्कर प्रदान करना है। ईसीआईएल वर्ष 2019 तक शेष ऊर्जा परिवर्तकों की आपूर्ति करेगा। इस कार्यक्रम के अवसर पर वीडियो लिंक के माध्यम से जर्मन सहभागियों ने भी ईसीआईएल की प्रशंसा की।

- ये ऊर्जा परिवर्तक; एन्टीप्रोटान एवं आयॅन अनुसंधान सुविधा (फेअर), जर्मनी में वैज्ञानिकों के लिए अनुसंधान एवं विकास कार्य में अत्यंत उपयोगी हैं
- एफएआईआर (फेअर) एक बहुराष्ट्रीय परियोजना है जिसमें भारत सहित 10 देश सहयोगी हैं
- इस परियोजना से ब्रह्माँड के विषय में अब तक अज्ञात महत्त्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्राप्त होगी कि किस प्रकार उप परमाणु कण परस्पर प्रभाव डालकर ब्रह्माँड को प्रत्यमान देते हैं

सी-डैक के साथ प्रौद्योगिकी-हस्ताँतरण समझौता

ईसीआईएल ने इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अग्रणी अनुसंधान एवं विकास संस्थान सी-डैक के साथ 'इन्टरनेट आफ थिंग्स (आईओटी)' के लिए प्रौद्योगिकी हस्ताँतरण समझौता हस्ताक्षरित किया। नई दिल्ली में दिनांक 12-07-2016 को आयोजित कार्यक्रम में श्री पी.सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीआईएल ने प्रो. रजत मूना, महानिदेशक, सी-डैक के साथ प्रौद्योगिकी हस्ताँतरण प्रलेखों का आदान प्रदान किया। इस अवसर पर अरुण शर्मा, सचिव, इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार भी उपस्थित थे।

श्री पी. सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीआईएल सी-डैक के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रौद्योगिकी-हस्ताँतरण समझौता प्रलेख आदान-प्रदान करते हुए

इन्टरनेट आफ थिंग्स (आईओटी): 'इन्टरनेट आफ थिंग्स (आईओटी)' समग्रत: एक नई प्रौद्योगिकी है। आईओटी के द्वारा वर्तमान में प्रयोग में लाए जा रहे इन्टरनेट को अंत:स्थापित (एम्बेडेड) प्रणाली माध्यम के द्वारा सुचारु रूप से प्रचालित किया जा सकता है। सुदूर स्थित प्रौद्यागिकियों की निगरानी एवं नियंत्रण के लिए आईओटी उत्पाद अत्यंत उपयोगी हैं। सी-डैक की महानिदेशक प्रो. रजत मूना ने कहा कि सी-डैक द्वारा विकसित उत्पादों का विभिन्न अनुप्रयागों के लिए सुगमता से प्रयोग किया जा सकता है। श्री पी. सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीआईएल ने कहा कि विगत 49 वर्षों से ईसीआईएल देश की शीर्षस्थ वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं एवं शैक्षिक संस्थानों के साथ सक्रिय रूप से सहभागिता कर रहा है। ईसीआईएल द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी ने सफलतापूर्वक समाधान किया है।

ईसीआईएल द्वारा इन प्रौद्योगिकियों का विकास स्मार्ट सिटी, निगरानी, स्मार्ट एनर्जी प्रणाली तथा जल प्रबंधन प्रणाली के लिए किया जाएगा। राष्ट्र के सर्वतोमुखी विकास के लिए ईसीआईएल की यह महत्त्वपूर्ण योजना अत्यंत प्रभावी होगी।

टेट्रेडर, बेलारूस कंपनी के साथ रक्षा प्रणाली के उन्नयन हेतु समझौता-ज्ञापन

ईसीआईएल ने रक्षा प्रणाली के उन्नयन के आवश्यक समाधान के लिए टेट्रेडर कंपनी, बेलारूस के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है। इस समझौता ज्ञापन को श्री पी.सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीआईएल तथा श्री एन्ड्री वखोस्की, निदेशक, टेट्रेडर कंपनी, बेलारूस ने दिनाँक 30 जुलाई, 2016 को हस्ताक्षरित किया। इस संबंध में भारतीय प्रतिनिधि मंडल ने बेलारूस की राजधानी मिंस्क का दौरा किया। इस भारतीय प्रतिनिधि मंडल में श्री पी.सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीआईएल के साथ श्री किशोर रुंगटा, निदेशक (वित्त); ब्रिगेडियर ए. उमर फ़ारूक, विसेमे (नि.), महाप्रबंधक (रक्षा प्रणाली वर्ग तथा नियंत्रण प्रणाली वर्ग) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की। ईसीआईएल वर्ष 1967 में अपने स्थापना वर्ष से ही प्रौद्योगिकी संचालित कंपनी रही है। ईसीआईएल द्वारा भारतीय सशस्त्र सेनाओं के लिए विस्तृत प्रयोजन की प्रणाली एवं संघटकों की आपूर्ति की गई।

श्री पी. सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीआईएल तथा श्री एन्ड्री वखोस्की, निदेशक, टेट्रेडर, बेलारूस समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करते हुए। साथ में बैठे हुए (सबसे दाएँ) श्री किशोर रुंगटा, निदेशक (वित्त) तथा खड़े हुए (सबसे दाएँ) ब्रिगेडियर ए.उमर फ़ारूक, विसेमे (नि.), महाप्रबंधक (रक्षा प्रणाली वर्ग तथा नियंत्रण प्रणाली वर्ग)

इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड सशस्त्र सेनाओं को इलेक्ट्रानिक फ्यूज़, एयर बार्न रेडार, सी^{4}आई प्रणाली, संरक्षित एवं जैम प्रतिरोधक संचार, इलेक्ट्रानिक युद्ध-कौशल प्रणाली, प्रशिक्षण अनुकारक (सिमुलेटर) एवं 'इनर्शिएल नेविगेशन प्रणाली' की आपूर्ति कर रहा है।

इस समझौता ज्ञापन से 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के अंतर्गत ईसीआईएल में उच्च क्षमता एवं नवोन्नत प्रणाली के विनिर्माण एवं आपूर्ति में गत्यात्मकता आएगी।

◆

शुभागमन्-स्वागतम् : नव-नियुक्त माननीय महाप्रबंधक

कोमोडोर सिद्धार्थ मिश्रा (नि.) ने भारतीय नौसेना में लगभग 31 वर्ष की सेवा-अवधि में विभिन्न कमान्ड एवं स्टाफ पदों पर कार्य किया है। ये भारतीय नौसेना के वैद्युत प्रभाग में दूरसंचार तथा गुणता आश्वासन क्षेत्रों के विशेषज्ञ रहे हैं। ये डिफेन्स सर्विसेस स्टाफ कॉलेज, वेलिंग्टन से स्नातकोत्तर तथा प्रतिष्ठित रक्षा प्रबंधन कॉलेज (सीडीएम), सिकंदराबाद से एम.बी.ए. हैं। इन्होंने दिनाँक 1 सितंबर, 2016 को ईसीआईएल में 'महाप्रबंधक' का पदभार ग्रहण किया। संप्रति, कोमोडोर सिद्धार्थ मिश्रा (नि.); महाप्रबंधक, सूचना प्रौद्योगिकी एवं दूरसंचार वर्ग तथा नियंत्रण प्रणाली वर्ग हैं।

'ईसीआईएल गौरव' संपादन समिति की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ

इलेक्ट्रानिक फ्यूज़

*जी.वी. रेड्डी **

इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में विशेष उत्पाद प्रभाग राष्ट्र की सुरक्षा से संबंधित उत्पादों के संबंध में भारतीय सेना के लिए विगत चार दशकों से विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों का अभिकल्प एवं विनिर्माण कर रहा है। इस प्रभाग में भारतीय तोपखाने (आर्टिलरी) के लिए विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों के अभिकल्प एवं विनिर्माण तथा असेम्बली से संबंधित विश्व स्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

विशेष उत्पाद प्रभाग की संकल्पना

भारतीय आर्टिलरी, रक्षा मंत्रालय के इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ के व्यवसाय में महत्त्वपूर्ण सहभागिता प्राप्त करना

विशेष उत्पाद प्रभाग का संकल्प

भारतीय रक्षा मंत्रालय में इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों का प्रत्यायित एवं प्रतिष्ठित प्रदायक बनने के लिए उत्पादन क्षमता में संवृद्धि करना

विशेष उत्पाद प्रभाग की गुणतानीति

विशेष उत्पाद प्रभाग संपूर्ण ग्राहक संतुष्टि प्राप्त करने के लिए तथा संपोषित व्यवसाय विकास में निरंतर परिष्कार करके नवोन्नत प्रौद्योगिकीपरक इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों तथा संबंधित उत्पादों के विनिर्माण में अग्रणी बने रहने के लिए प्रतिबद्ध है

बोफोर्स तोप के साथ भारतीय आर्टिलरी के जवान

इलेक्ट्रानिक फ्यूज़: संक्षिप्त परिचय

फ्यूज़ एक इलेक्ट्रानिक उपकरण है जिसका उपयोग आर्टिलरी शेल, मिसाइल या समरूपी प्रक्षेप्य में विस्फोट आवेश को उपक्रमशील करने के लिए किया जाता है। फ्यूज़ लक्ष्य पर अपेक्षित क्रियात्मकता को निर्धारित करता है। अनुप्रयोग के आधार पर आर्टिलरी इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों को तीन प्रकार से वर्गीकृत किया गया है:-

1. आघात फ्यूज़ (बिन्दु अधिविस्फोटन)

- यह फ्यूज़ प्रक्षेप्य के आघात करने के बाद सक्रिय होगा
- इसको दो मॉड में सेट किया जा सकता है: 'सुपर क्विक मॉड' तथा 'डिले मॉड'

- 'सुपर क्विक मॉड' में प्रक्षेप्य द्वारा लक्ष्य में आघात करने के 100 माइक्रो सेकंड्स के अंदर फ्यूज़ सक्रिय हो जाता है
- 'डिले मॉड' में लक्ष्य में आघात करने के बाद फ्यूज़ सक्रिय होने में न्यूनतम 40 मिली सेकंड्स अधिक समय लगता है ताकि प्रक्षेप्य 'सॉफ्ट बंकर्स' का वेधन तथा अधिविस्फोटन कर सके

2. सामीप्य फ्यूज़:

- सामीप्य फ्यूज़ एक 'वायु प्रस्फोट' फ्यूज़ है
- यह लक्ष्य के ऊपर 10 ± 6 मीटर की ऊँचाई पर प्रक्षेप्य को अधिविस्फोटित करता है
- इस फ्यूज़ का उपयोग आघात फ्यूज़ की अपेक्षा अधिक क्षेत्र में विनाशकारी प्रभाव के लिए किया जाता है
- सामीप्य फ्यूज़ को दो मॉड में सेट किया जा सकता है; 'सामीप्य मॉड' एवं 'आघात मॉड'
- आघात मॉड 'बैक अप' का कार्य करता है

* **श्री जी. वी. रेड्डी** प्रमुख, विशेष उत्पाद प्रभाग हैं। इन्होंने इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं में योगदान दिया है।

छल का बहिरंग सुन्दर लेकिन अंततः दुःखदायी होता है---जयशंकर प्रसाद

3. समयावधि फ्यूज़:

- समयावधि फ्यूज़ नियत समय पर प्रचालित होते हैं
- समय को 3.0 सेकंड से 0.1 सेकंड की बढ़ोत्तरी में 199.9 सेकंड तक नियत किया जा सकता है
- इस फ्यूज़ का उपयोग मुख्य रूप से 'कार्गो' एवं 'कैरियर शेल' में किया जाता है
- नियत समय के बाद शेल से 'पे लोड' उत्क्षेपित हो जाता है
- इस फ्यूज़ को दो मॉड में सेट किया जा सकता है: 'समयावधि मॉड' एवं 'आघात मॉड'
- आघात मॉड 'बैक अप' का कार्य करता है

ईसीआईएल एवं फील्ड यूनिटों में प्रशिक्षण

ईसीआईएल में प्रशिक्षण: सेना के जवानों, अधिकारियों एवं गुणता आश्वासन महानिदेशालय के अधिकारियों को इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ के बारे में ईसीआईएल द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण विवरण इस प्रकार है:-

श्री जी. वी. रेड्डी प्रमुख, विशेष उत्पाद प्रभाग सेना के अधिकारियों को इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ की प्रौद्योगिकी के विषय में संबोधित करते हुए

- अक्टूबर, 2010 में सामान्य (यूनिवर्सल) इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों पर ईसीआईएल द्वारा अखिल भारतीय स्तर की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में गुणता आश्वासन महानिदेशालय के अधिकारियों, फैक्टरी बोर्ड सदस्य, आर्टिलरी की विभिन्न यूनिटों के जवानों तथा अधिकारियों, डीजीओएस एवं एआरडीई के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की
- अप्रैल, 2012 में चार दिवसीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सेना के जेसीओ स्तर के अधिकारियों, प्रूफ रेन्ज प्रतिनिधियों, आयुध निर्माणी के अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों ने सहभागिता की

श्री पी. सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीआईएल विशेष उत्पाद प्रभाग में सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ

- अक्टूबर, 2015 में सामान्य (यूनिवर्सल) इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सेना के अधिकारियों, प्रूफ रेन्ज के प्रतिनिधियों, आयुध निर्माणी के अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में भाग लेने वाले अधिकारियों ने 'उत्पाद लाइन सुविधा' का निरीक्षण किया तथा विशेष उत्पाद प्रभाग की गुणता एवं कार्यप्रवाह की प्रशंसा की

सेना की फील्ड यूनिटों में प्रशिक्षण: विशेष उत्पाद प्रभाग द्वारा प्रतिवर्ष आर्टिलरी स्कूल, देवलाली, नाशिक एवं अन्य फील्ड यूनिटों में सामान्य इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों पर प्रशिक्षण दिया जाता है। ईसीआईएल द्वारा भारतीय सेना की पूर्वी कमान, पश्चिमी कमान, उत्तरी कमान, केन्द्रीय कमान तथा दक्षिणी कमान में 'सामान्य (यूनिवर्सल) इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों' तथा 'फ्यूज़ सेटर' पर प्रशिक्षण दिया गया।

'फ्यूज़ सेटर'

जिज्ञासा तेज बुद्धि का एक स्थाई एवं निश्चित गुण है---सैम्युअल जॉनसन

भारतीय आर्टिलरी में इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों का महत्त्व: भारतीय आर्टिलरी में तीन प्रकार की मानक तोपों; 105 मिमी, 130 मिमी एवं 155 मिमी अधिव्यास (कैलिबर) का प्रयोग किया जाता है। सभी तोपें विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद तथा युद्ध-उपकरणों जैसे; उच्च विस्फोटक (एचई) शेल, कैरियर, कार्गो शेल से युक्त होती हैं।

डॉ. शेखर बसु, अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग तथा सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग विशेष उत्पाद प्रभाग में ईसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ

उच्च विस्फोटक (एचई) शेल का उपयोग उस क्षेत्र को नष्ट करने के लिए किया जाता है जहाँ इनका विस्फोट होता है। प्रदीपन शेलों का उपयोग सूचना देने के लिए तथा धूम्र शेलों का उपयोग रक्षा-आवरण बनाने के लिए किया जाता है। इस सभी शेलों में अपेक्षित कार्य-प्रयोजनीयता प्राप्त करने के लिए फ्यूज़ की आवश्यकता होती है। अपेक्षित निष्पादन प्राप्त करने के लिए इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों

इलेक्ट्रानिक फ्यूजों का विनिर्माण प्रगति पर: विशेष उत्पाद प्रभाग में ईसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारी

डॉ. शेखर बसु, अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग तथा सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग के साथ विशेष उत्पाद प्रभाग में श्री पी. सुधाकर, अप्रनि तथा निदेशक (वित्त) एवं अन्य अधिशासीगण

का उपयोग किया जाता है। विभिन्न प्रकार के फ्यूज़ों का उपयोग विभिन्न प्रकार के प्रयोजनों के लिए किया जाता है। साराँशतः

- आघात फ्यूज़: इस प्रकार के शेलों का उपयोग उच्च विस्फोटक शेलों द्वारा लक्ष्य पर अधिविस्फोट करने के लिए किया जाता है

सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को श्री नागार्जुन कुमार एम., तकनीकी प्रबंधक, इलेक्ट्रानिक फ्यूज़ों की प्रौद्योगिकी दर्शाते हुए

- सामीप्य फ्यूज़: सामीप्य फ्यूज़ का उपयोग अधिकतम विनाशकारी क्षेत्र प्रभाव के लिए लक्ष्य के ऊपर हवा में अधिविस्फोट करने के लिए किया जाता है
- समयावधि फ्यूज़: समयावधि फ्यूज़ का उपयोग कार्गो या कैरियर शेलों में निश्चित समय सेट करके अपेक्षित क्षेत्र में 'पे-लोड' उत्क्षेपित करने के लिए किया जाता है

◆

शुभागमन्-स्वागतम्
हमारे माननीय अतिथिगण

फेयर, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के प्रतिनिधि मंडल के साथ
श्री पी.सुधाकर, अप्रनि तथा वरिष्ठ अधिशासीगण

वैचिसलव एलाजिन एवं टेट्रेडर टीम प्रतिनिधि मंडल के साथ
श्री पी.सुधाकर, अप्रनि तथा वरिष्ठ अधिशासीगण

श्री जी.दत्तू कुमार, कार्यपालक निदेशक (जीएसडी), बीडीएल;
श्री पी.सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के साथ

श्री के.जे.रमेश, महानिदेशक, आईएमडी, भारत सरकार के साथ
श्री पी.सुधाकर, अप्रनि तथा वरिष्ठ अधिशासीगण

श्री टी. पी. सिंह, निदेशक, बीआईएसएजी के साथ
श्री पी.सुधाकर, अप्रनि तथा वरिष्ठ अधिशासीगण

श्री सुधाकर के. राव, प्रख्यात तकनीकीविद्, नॉर्थ्राप ग्रुमैन,
संयुक्त राष्ट्र अमेरिका (यूएसए) तकनीकी व्याख्यान देते हुए

झूठ बोलने के अनेक संयोग होते हैं परंतु सत्य का केवल एक ही रूप होता है---रूसो

स्वतंत्रता दिवस-2016 समारोह

निगम में 15 अगस्त, 2016 को 70वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री पी. सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने ईसीआईएल के मुख्य प्रवेश द्वार पर राष्ट्रीय-ध्वजारोहण कर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के 'सम्मान गार्ड्स' का निरीक्षण किया। समारोह में श्री किशोर रुंगटा, निदेशक (वित्त), श्री वी.एस.बी. बाबु, निदेशक (कार्मिक), श्री के.नरसिंग राव, महासचिव, ईसीआईएल मजदूर संघ तथा श्री डी.रामुलु, सचिव, ईसीआईएल अधिकारी संघ एवं वरिष्ठ अधिशासीगण भी उपस्थित थे।

श्री पी.सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए

परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय नं.1 के छात्रों द्वारा देशभक्ति की मनोरम झाँकी तथा देशभक्ति गान का प्रस्तुतीकरण

श्री पी.सुधाकर, अप्रनि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के 'सम्मान गार्ड्स' का निरीक्षण करते हुए

श्री पी.सुधाकर, अप्रनि; प्रभारी- सीएलडीसी तथा प्रभारी- एनपीआर को ''सर्वोत्तम हाऊस-कीपिंग'' पुरस्कार देते हुए

श्री पी.सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, शुभकामना संदेश देते हुए। मंच पर (बाएँ से) श्री के.नरसिंग राव, महासचिव, ईसीआईएल मजदूर संघ; श्री वी.एस.बी. बाबु, निदेशक (का.); श्री किशोर रुंगटा, निदेशक (वित्त) तथा श्री डी.रामुलु, सचिव, ईसीओए

श्री पी.सुधाकर, अप्रनि; मेधावी छात्रा कु. के.संजना श्री (सुपौत्री श्रीमती जी.विजया, टीएमटी-'सी', वि.ले.वर्ग) को पुरस्कार देते हुए

ठोकर केवल धूल ही उड़ाती है, धरती से फसलें नहीं उगाती---रवीन्द्रनाथ ठाकुर

राजभाषा गतिविधियाँ: ईसीआईएल मुख्यालय हैदराबाद

संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण का आयोजन

ईसीआईएल में केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बेंगलूरू के तत्त्वावधान में दि. 16-05 से 20-05-2016 तक 05 दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हैदराबाद-सिकंदराबाद के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों एवं ईसीआईएल मुख्यालय सहित नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता तथा चेन्नै स्थित आँचलिक एवं शाखा कार्यालयों से कुल 22 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। दि. 16-05-2016 को श्री एन.नागेश्वर राव, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) के निर्देशन में डॉ. राजनारायण अवस्थी, हिन्दी अधिकारी ने शुभारंभ समारोह का संचालन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री बी. अशोक कुमार, अपर महाप्रबंधक, निगमीय अध्ययन एवं विकास केन्द्र तथा प्रबंधन सूचना प्रणाली ने किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में अनुवाद का विशेष महत्त्व है। अनुवाद से हम उपक्रमों के वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास को जन सामान्य तक पहुँचा सकते हैं। इस अवसर पर

श्री बी. अशोक कुमार, अपर महाप्रबंधक, निगमीय अध्ययन एवं विकास केन्द्र संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण शुभारंभ समारोह में संबोधित करते हुए

श्री एम.एम. भांडेकर, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बेंगलूरू श्री के. रमेश प्रसाद, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक, ईसीआईएल को संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

श्री बी. अशोक कुमार, अपर महाप्रबंधक, निगमीय अध्ययन एवं विकास केन्द्र तथा प्रबंधन सूचना प्रणाली श्री ए. रामकृष्णा, कनिष्ठ अधिकारी (राजभाषा), पॉवरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, सिकंदराबाद को संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

श्री एम.एम. भांडेकर, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बेंगलूरू श्री अशोक कुमार यादव, वरिष्ठ प्रबंधक, ईसीआईएल को संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

श्री एन. नागेश्वर राव, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती श्यामला पुष्पलता रेड्डी, कनिष्ठ सहायक (कार्मिक), एनएमडीसी लिमिटेड, हैदराबाद को संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

'ईसीआईएल गौरव' संपादन समिति की ओर से 'सफलतापूर्वक अनुवाद प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए' हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री एम.एम. भांडेकर, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बेंगलूरू श्री संजय कुमार चौधरी, हिन्दी अनुवादक, ईसीआईएल को संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

श्री ईश्वर चंद्र मिश्र, सहायक निदेशक तथा श्री एम.एम.भांडेकर, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बेंगलूरू ने अनुवाद प्रशिक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुवाद के विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण समापन समारोह के अवसर पर (कुर्सी में बाएँ से) श्री एन.नागेश्वर राव, उप महाप्रबंधक (राजभाषा); श्री बी. अशोक कुमार, प्रभारी- निगमीय अध्ययन एवं विकास केन्द्र; श्री ईश्वर चंद्र मिश्र, सहायक निदेशक तथा श्री एम.एम. भांडेकर, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बेंगलूरू के साथ ईसीआईएल तथा हैदराबाद-सिकंदराबाद के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के समस्त प्रतिभागीगण

प्रशिक्षण कार्यक्रम में केन्द्रीय भंडारण निगम, हैदराबाद; दि न्यू इंडिया एश्योरन्स कंपनी लिमिटेड, हैदराबाद; पॉवर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, सिकंदराबाद; हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सिकंदराबाद; कर्मचारी राज्य बीमा निगम, हैदराबाद; एनएमडीसी लिमिटेड, हैदराबाद; भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड, हैदराबाद; भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, हैदराबाद; भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (अनुसंधान एवं विकास), हैदराबाद; एअर इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद तथा इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) मुख्यालय, हैदराबाद सहित नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता तथा चेन्नै स्थित आँचलिक तथा शाखा कार्यालयों से प्रतिभागियों ने सहभागिता की। दिनांक 20-05-2016 को प्रशिक्षण समापन समारोह के अवसर पर समस्त प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिये गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री एम.नरसिम्हा चारी, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी तथा श्री संजय कुमार चौधरी, हिन्दी अनुवादक सहित हिन्दी अनुभाग के सभी सदस्यों ने सहयोग दिया।

नव-नियुक्त कनिष्ठ हिन्दी अनुवादकों के लिए प्रवेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम

ईसीआईएल के आँचलिक तथा शाखा कार्यालयों में नव-नियुक्त कनिष्ठ हिन्दी अनुवादकों के लिए दिनाँक 21 मई से 24 मई, 2016 तक हिन्दी अनुभाग के हिन्दी प्रशिक्षण कक्ष में तीन दिवसीय प्रवेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सुश्री वी. कनका श्री महालक्ष्मी, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक, शाखा कार्यालय, चेन्नै; श्री चिप्पाड़ा अंबेडकर, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक, आँचलिक कार्यालय (पश्चिम), मुंबई; सुश्री देवश्री मोदक, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक, आँचलिक कार्यालय (पूर्व), कोलकाता तथा श्री प्रवीण कुमार चौहान, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक, आँचलिक कार्यालय (उत्तर), नई दिल्ली ने भाग लिया।

नव-नियुक्त कनिष्ठ हिन्दी अनुवादकों को राजभाषा नीति के अंतर्गत राजभाषा अधिनियम, 1963 (यथा संशोधित, 1967); राजभाषा संकल्प, 1968; राजभाषा नियम, 1976 (यथा संशोधित, 1987), हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, राजभाषा प्रोत्साहन योजनाएँ, राजभाषा के प्रगामी प्रयोग से संबंधित रिपोर्ट (विशेषत:, तिमाही प्रगति रिपोर्ट), राजभाषा कार्यान्वयन समिति तथा संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली एवं वैज्ञानिक अनुवाद पर प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को ईसीआईएल के विभिन्न तकनीकी प्रकाशनों तथा निगमीय प्रस्तुतीकरण से भी परिचित कराया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम श्री एन.नागेश्वर राव, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) के निर्देशन में आयोजित किया गया।

ईसीआईएल में राजभाषा सप्ताह का आयोजन

ईसीआईएल में 14 सितंबर, 2016 को राजभाषा सप्ताह का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री वी.एस.बी. बाबु, निदेशक (कार्मिक) तथा उपाध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं विशिष्ट अतिथि श्री बी. अशोक कुमार, प्रभारी, प्रशासन ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि श्री वी.एस.बी. बाबु, निदेशक (कार्मिक) तथा उपाध्यक्ष, राजभाषा

मंच पर (दाएँ से) श्री वी.एस.बी. बाबु, निदेशक (कार्मिक) तथा उपाध्यक्ष, राभाकास तथा श्री बी. अशोक कुमार, प्रभारी, प्रशासन

कार्यान्वयन समिति ने उद्घाटन भाषण में कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए राजभाषा हिन्दी का प्रगामी प्रयोग अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर श्री बी. अशोक कुमार, प्रभारी, प्रशासन ने कहा कि संविधान में राजभाषा का स्थान पाने वाली हिन्दी को कार्यालय काम में अपनाना और इसका प्रचार-प्रसार करना आज निगम के प्रत्येक कर्मचारी का नैतिक एवं संवैधानिक कर्त्तव्य है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजनारायण अवस्थी, हिन्दी अधिकारी तथा स्वागत भाषण श्री एम.नरसिम्हाचारी, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी ने प्रस्तुत किया।

20 सितंबर, 2016 को समापन समारोह के अवसर पर श्री किशोर रुंगटा, निदेशक (वित्त) की अध्यक्षता में डॉ. अनीता गांगुली, क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, हैदराबाद केन्द्र को मुख्य अतिथि के रूप में एवं मेजर जनरल अतुल मेहरा (नि.), कार्यपालक निदेशक, सूचना प्रौद्योगिकी एवं दूर संचार वर्ग विशिष्ट अतिथि तथा श्री अनुराग कुमार, महाप्रबंधक (उपकरण एवं प्रणाली वर्ग

श्री किशोर रुंगटा, निदेशक (वित्त) राजभाषा सप्ताह समापन समारोह के अवसर पर संबोधित करते हुए

तथा निगमीय अनुसंधान एवं विकास) को सम्माननीय अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। श्री किशोर रुंगटा, निदेशक (वित्त) ने अध्यक्षीय अभिभाषण में कहा कि आज के सूचना प्रौद्योगिकी तथा आर्थिक युग में राजभाषा हिन्दी सहित भारतीय भाषाओं का विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आने वाला आर्थिक युग अनेक सकारात्मक संभावनाओं से भरा हुआ युग होगा। हमें अभी से अपनी भारतीय भाषाओं का और अधिक विकास प्रारंभ कर देना चाहिए।

मुख्य अतिथि डॉ. अनीता गांगुली, क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, हैदराबाद केन्द्र ने हिन्दी की राष्ट्रीयता एवं सार्वभौमिकता पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी आज राजभाषा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय भाषा बनने की ओर बड़ी तेजी से अग्रसर है। अपने व्याख्यान में उन्होंने अपने अनेक

डॉ. अनीता गांगुली, क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, हैदराबाद केन्द्र राजभाषा सप्ताह समापन समारोह में विशेष व्याख्यान देती हुईं

राजभाषा सप्ताह समापन समारोह के अवसर पर उपस्थित ईसीआईएल के वरिष्ठ अधिशासीगण

संस्मरणों के साथ हिन्दी के महत्त्व को रेखाँकित किया। इस अवसर पर निगम में आयोजित विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजनारायण अवस्थी, हिन्दी अधिकारी ने किया। श्री एम.नरसिम्हा चारी, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री संजय कुमार चौधरी, हिन्दी अनुवादक सहित हिन्दी अनुभाग के सभी सदस्यों ने सहयोग दिया।

राजभाषा प्रतियोगिता-2016 का परिणाम

हिन्दीतर-भाषी वर्ग

प्रतिभागी का नाम श्री/सुश्री	प्रतियोगिता का नाम	स्थान
के. सनत कुमार तकनीकी अधिकारी	तकनीकी पेपर प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता अनुवाद प्रतियोगिता वाक् प्रतियोगिता निबंध लेखन प्रतियोगिता शब्दावली, टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता	प्रथम स्थान द्वितीय स्थान द्वितीय स्थान द्वितीय स्थान तृतीय स्थान
मोहन बी.देवमाने तकनीकी अधिकारी	शब्दावली, टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता अनुवाद प्रतियोगिता	प्रथम स्थान तृतीय स्थान
बिश्वमोहन नंदा वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	अनुवाद प्रतियोगिता वाक् प्रतियोगिता निबंध लेखन प्रतियोगिता शब्दावली, टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता	प्रथम स्थान प्रथम स्थान प्रथम स्थान द्वितीय स्थान
संदीप कुमार जीना तकनीकी अधिकारी	प्रश्नमंच प्रतियोगिता	तृतीय स्थान

प्रतिभागी का नाम श्री/सुश्री	प्रतियोगिता का नाम	स्थान
ए.भीम राव वैज्ञानिक सहायक-'बी'	वाक् प्रतियोगिता निबंध लेखन प्रतियोगिता	तृतीय स्थान तृतीय स्थान
मुकेश दास ट्रेड्समेन-'सी'	अंत्याक्षरी प्रतियोगिता	द्वितीय स्थान
आर. स्वामी अवर श्रेणी लिपिक	कंप्यूटर पर हिन्दी शब्द संसाधन	प्रथम स्थान
एस.संध्या अवर श्रेणी लिपिक	कंप्यूटर पर हिन्दी शब्द संसाधन	द्वितीय स्थान
के.शारदा बाई अवर श्रेणी लिपिक	कंप्यूटर पर हिन्दी शब्द संसाधन	तृतीय स्थान

'ईसीआईएल गौरव' संपादन समिति
की ओर से 'समस्त प्रतिभागी विजेताओं' को
हार्दिक शुभकामनाएँ

हिन्दी-भाषी वर्ग

प्रतिभागी का नाम श्री/सुश्री	प्रतियोगिता का नाम	स्थान
शर्मिला मुर्मू सहायक तकनीकी अधिकारी	तकनीकी पेपर प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता	प्रथम स्थान

प्रतिभागी का नाम श्री/सुश्री		प्रतियोगिता का नाम	स्थान
अंकुर कुमार तकनीकी अधिकारी		प्रश्नमंच प्रतियोगिता अनुवाद प्रतियोगिता वाक् प्रतियोगिता अंत्याक्षरी प्रतियोगिता	प्रथम स्थान द्वितीय स्थान तृतीय स्थान तृतीय स्थान
सिद्धार्थ कुमार तकनीकी अधिकारी		शब्दावली, टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता निबंध प्रतियोगिता प्रश्नमंच प्रतियोगिता	प्रथम स्थान प्रथम स्थान द्वितीय स्थान
शैलेन्द्र कुमार तकनीकी अधिकारी		अनुवाद प्रतियोगिता	प्रथम स्थान
ज्योति पंचौली तकनीकी प्रबंधक		शब्दावली, टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता वाक् प्रतियोगिता अनुवाद प्रतियोगिता निबंध प्रतियोगिता	द्वितीय स्थान द्वितीय स्थान तृतीय स्थान तृतीय स्थान
जितेन्द्र कुमार तकनीकी अधिकारी		वाक् प्रतियोगिता	प्रथम स्थान
सुनील कुमार लेखा सहायक		अंत्याक्षरी प्रतियोगिता	प्रथम स्थान
मनोजकुमार रंजन तकनीकी अधिकारी		निबंध प्रतियोगिता	द्वितीय स्थान

'ईसीआईएल गौरव' संपादन समिति की ओर से 'समस्त प्रतिभागी विजेताओं' को हार्दिक शुभकामनाएँ

राजभाषा गतिविधियाँ: अधीनस्थ कार्यालय

आँचलिक कार्यालय (उत्तर), नई दिल्ली

राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

आँचलिक कार्यालय (उत्तर), नई दिल्ली में दिनांक 25 जून, 2016 को 'हिन्दी पत्र लेखन एवं अनुवाद' विषय पर राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रिगेडियर कुलदीप सिंह दलाल (नि.), महाप्रबंधक एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने अतिथि वक्ता श्री आई.सी. मिश्र, उप निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बेंगलूरू का स्वागत किया। अतिथि वक्ता ने हिन्दी में छोटे-छोटे पत्र लिखने की शैली तथा कार्यालयीन अनुवाद विषय पर अभ्यास कराया।

ब्रिगेडियर कुलदीप सिंह दलाल (नि.), महाप्रबंधक तथा अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने कार्यालय में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की तथा अतिथि वक्ता के प्रति आभार व्यक्त किया। राजभाषा कार्यशाला

ब्रिगेडियर कुलदीप सिंह दलाल (नि.), महाप्रबंधक एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति राजभाषा कार्यशाला में आँचलिक कार्यालय (उत्तर) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए

में कार्यालय के समस्त प्रभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की।

कार्यशाला का संचालन श्री सत्यप्रकाश, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री प्रवीण कुमार चौहान, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक सहित राजभाषा कार्यान्वयन समिति के समस्त सदस्यों ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

हिन्दी दिवस का आयोजन

आँचलिक कार्यालय (उत्तर), नई दिल्ली में दिनांक 14 सितंबर, 2016 को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर कुलदीप सिंह दलाल (नि.), महाप्रबंधक (उत्तर) एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता में सुश्री नीलम गाबा, पूर्व उप निदेशक (राजभाषा), परमाणु ऊर्जा विभाग, नई दिल्ली मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थीं। समारोह में सर्वप्रथम श्री सत्यप्रकाश, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने राजभाषा कार्यान्वयन प्रगति रिपोर्ट को प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने अपने सारगर्भित अभिभाषण में सरकारी कार्य प्रणाली में राजभाषा के महत्त्व को रेखाँकित किया। उन्होंने कहा कि राजभाषा के प्रति सम्मान एवं अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में उसका प्रयोग हम सबका संवैधानिक कर्त्तव्य है। इस अवसर पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के समस्त सदस्य तथा कार्यालय के अधिकारीगण उपस्थित थे।

श्री ईश्वर चंद्र मिश्र, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बेंगलूरू श्री प्रवीण कुमार चौहान, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक को संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

'ईसीआईएल गौरव' संपादन समिति की ओर से 'सफलतापूर्वक अनुवाद प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए' हार्दिक शुभकामनाएँ

प्रस्तुति: श्री सत्य प्रकाश, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी एवं सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति

राजभाषा गतिविधियाँ: अधीनस्थ कार्यालय

आँचलिक कार्यालय (पश्चिम), मुंबई

अखिल भारतीय परमाणु ऊर्जा विभाग राजभाषा सम्मेलन में सहभागिता

परमाणु ऊर्जा विभाग मुख्यालय, मुंबई द्वारा 31 मई, 2016 को आयोजित 17वें अखिल भारतीय परमाणु ऊर्जा विभाग राजभाषा सम्मेलन में श्री राजन बी. पाटील, सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति तथा श्री चिप्पाड़ा अंबेडकर, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक ने सहभागिता की। श्री चिप्पाड़ा अंबेडकर, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक ने सम्मेलन के आयोजन में सहयोग दिया।

परमाणु ऊर्जा विभाग, मुंबई के राजभाषा संवर्ग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ श्री चिप्पाड़ा अंबेडकर, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक (दाएँ से तीसरे)

राजभाषा विचार मंथन कार्यक्रम में सहभागिता

क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पश्चिम), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के तत्वावधान में 6 एवं 7 जून, 2016 को राजभाषा विचार मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बैंक आफ इंडिया, प्रबंधन विकास संस्थान, नवी मुंबई में हुआ। इस कार्यक्रम में श्री राजन बी. पाटील, सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति तथा श्री चिप्पाड़ा अंबेडकर, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक ने सहभागिता की।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति का पुनर्गठन

आँचलिक कार्यालय (पश्चिम), मुंबई में 9 जुलाई, 2016 को श्री सी.एस. रामटेके, आँचलिक प्रबंधक तथा अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता में आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का पुनर्गठन किया गया। समिति में कार्मिक वर्ग, क्षेत्रीय सहायता वर्ग, क्रय अनुभाग, वित्त एवं लेखा वर्ग, संचार प्रणाली प्रभाग, दूरसंचार प्रभाग तथा वाँतरिक्ष प्रणाली वर्ग का प्रतिनिधित्व है। श्री राजन बी.पाटील, बिक्री अधिकारी; राजभाषा कार्यान्वयन समिति के पुनः सदस्य-सचिव मनोनीत किए गए। राजभाषा कार्यान्वयन समिति में श्री चिप्पाड़ा अंबेडकर, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक का नए सदस्य के रूप में स्वागत किया गया।

हिन्दी सप्ताह का आयोजन

आँचलिक कार्यालय (पश्चिम), मुंबई में 14 सितंबर से 20 सितंबर, 2016 तक राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया। श्री सी.एस. रामटेके, आँचलिक प्रबंधक तथा अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ किया। इस अवधि में हिन्दी मसौदा तथा पत्र लेखन प्रतियोगिता, हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता, हिन्दी काव्य-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनाँक 20 सितंबर, 2016 को श्री एम.एन जोशी, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), परमाणु ऊर्जा विभाग, मुंबई को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। मुख्य अतिथि ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। श्री राजन बी.पाटील, सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने कार्यक्रम का संचालन किया।

श्री ईश्वर चंद्र मिश्र, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बेंगलूरू श्री चिप्पाड़ा अंबेडकर, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक को संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

'ईसीआईएल गौरव' संपादन समिति की ओर से 'सफलतापूर्वक अनुवाद प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए' हार्दिक शुभकामनाएँ

प्रस्तुतिः श्री राजन बी. पाटील, बिक्री अधिकारी एवं सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति

बल से जो शत्रु को जीतता है, वह केवल उसको आधा ही जीत पाता है---मिल्टन

राजभाषा गतिविधियाँ: अधीनस्थ कार्यालय

आँचलिक कार्यालय (पूर्व), कोलकाता

राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

आँचलिक कार्यालय (पूर्व), कोलकाता में दिनांक 18 जून, 2016 को 'हिन्दी टिप्पण एवं राजभाषा अधिनियम' विषय पर 'राजभाषा कार्यशाला' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती रजनी पोद्दार, हिन्दी प्राध्यापक को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने हिन्दी टिप्पण एवं राजभाषा अधिनियम, 1963 (यथा संशोधित, 1987) पर विस्तृत चर्चा की। कार्यशाला प्रशिक्षण में राजभाषा अधिनियम की विभिन्न धाराओं, विशेष रूप से धारा 3(3) के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यशाला में अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति सहित कार्यालय के समस्त

श्रीमती रजनी पोद्दार, हिन्दी प्राध्यापक राजभाषा कार्यशाला में आँचलिक कार्यालय (पूर्व) के अधिकारियों को संबोधित करती हुईं

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सुश्री देवश्री मोदक, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक सहित राजभाषा कार्यान्वयन समिति के समस्त सदस्यों ने सहयोग दिया।

शाखा कार्यालय, भुवनेश्वर का राजभाषा निरीक्षण:

संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए श्री देबाशिस देबनाथ, आँचलिक प्रबंधक तथा अध्यक्ष, राभाकास एवं सुश्री देवश्री मोदक, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक ने 26 अगस्त, 2016 को शाखा कार्यालय, भुवनेश्वर का राजभाषा निरीक्षण किया। निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आँचलिक प्रबंधक ने सभी अधिकारियों को राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में संबोधित किया।

हिन्दी सप्ताह का आयोजन

आँचलिक कार्यालय (पूर्व), कोलकाता में 8 सितंबर, 2016 से 14 सितंबर, 2016 तक हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया। दिनाँक 8 सितंबर, 2016 को हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ

श्री राजनाथ सिंह, माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार के हिन्दी दिवस संदेश-वाचन के साथ प्रारंभ हुआ। श्री वरुण नस्कर, कार्यकारी आँचलिक प्रबंधक की अध्यक्षता में आयोजित उद्घाटन समारोह में श्री तरुण मुखर्जी, सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। अध्यक्ष महोदय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में अधिक से अधिक कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करने की प्रेरणा दी।

कार्यालयीन हिन्दी बुलेटिन 'प्रयास' का प्रकाशन

14 सितंबर, 2016 को कार्यालयीन हिन्दी बुलेटिन 'प्रयास' के पंचम अंक का विमोचन किया गया। इस अंक में श्री देबाशिस देबनाथ, आँचलिक प्रबंधक (पूर्व) तथा अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति तथा श्री तरुण मुखर्जी, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी एवं सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संदेशों के साथ श्री सौरभ विश्वास का प्रेरणात्मक आलेख, श्री अनुराग बर्नवाल की कविता और श्री देबाशिस देबनाथ, आँचलिक प्रबंधक (पूर्व) का वैज्ञानिक आलेख प्रकाशित हुआ है।

श्री ईश्वर चंद्र मिश्र, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बेंगलूरू सुश्री देवश्री मोदक, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक को संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

'ईसीआईएल गौरव' संपादन समिति की ओर से 'सफलतापूर्वक अनुवाद प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए' हार्दिक शुभकामनाएँ

प्रस्तुति: श्री तरुण मुखर्जी, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी एवं सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति

राजभाषा गतिविधियाँ: अधीनस्थ कार्यालय

आँचलिक कार्यालय (दक्षिण), बेंगलूरू

राजभाषा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र

राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में वर्ष 2015-16 की अवधि में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) द्वारा आँचलिक कार्यालय (दक्षिण), बेंगलूरू को छोटे कार्यालयों की श्रेणी में तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्रीमती मृदुला सिन्हा, महामहिम राज्यपाल, गोवा द्वारा श्री डी.आर.

श्रीमती मृदुला सिन्हा, माननीय महामहिम राज्यपाल, गोवा से राजभाषा शील्ड प्राप्त करते हुए श्री डी.आर. वेंकटसुब्बु, आँचलिक प्रबंधक (दक्षिण) एवं अन्य अधिशासीगण

वेंकटसुब्बु, आँचलिक प्रबंधक एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति को राजभाषा शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर श्री एच. बूच्चप्पा, प्रभारी, कार्मिक वर्ग तथा सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं सुश्री सी. श्यामला श्रीपाद, उप मुख्य अधीक्षक भी उपस्थित थीं। राजभाषा कार्यान्वयन

भारत सरकार
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम)
बेंगलूरु
संयोजक : के आई ओ सी एल लिमिटेड, कोरमंगला, बेंगलूरु - 560 034
राजभाषा निष्पादन श्रेष्ठता पुरस्कार
वर्ष 2015-16 'छोटे कार्यालय' की श्रेणी में
प्रशस्ति पत्र
यह प्रमाणित किया जाता है कि इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि, बेंगलूरु ने राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग एवं कार्यान्वयन की दिशा में वर्ष 2015-16 के दौरान उल्लेखनीय प्रगति की है।
संस्थान की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए तृतीय पुरस्कार से शील्ड द्वारा सम्मानित किया जाता है।
एस. राजेंद्र
सदस्य सचिव
दिनांक : 27-07-2016
मलय घटर्जी
अध्यक्ष

राजभाषा निष्पादन श्रेष्ठता पुरस्कार प्रशस्ति पत्र

के प्रगामी प्रयोग की दिशा में यह कार्यालय प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर है। विगत तीन वर्षों से इस कार्यालय को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा निरंतर राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन

आँचलिक कार्यालय (दक्षिण), बेंगलूरू में 12 सितंबर, 2016 को श्री डी.आर.वेंकटसुब्बु, आँचलिक प्रबंधक (दक्षिण) की अध्यक्षता में 71वीं राभाकास की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में श्री एच.बूच्चप्पा, प्रभारी, कार्मिक वर्ग; श्रीमती बी. माधवी अरोरा, तकनीकी प्रबंधक; श्री अंबरीश कुमार पाठक, तकनीकी अधिकारी तथा श्रीमती सी. श्यामला श्रीपाद, मुख्य अधीक्षक, कार्मिक वर्ग ने भाग लिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 14-09-2016, हिन्दी दिवस में श्री डी.आर. वेंकटसुब्बु, आँचलिक प्रबंधक (दक्षिण) के निर्देशन में श्री अंबरीश कुमार पाठक, तकनीकी अधिकारी द्वारा विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं के आयोजन का समन्वय किया जाए।

'हिन्दी दिवस' समारोह आयोजन

आँचलिक कार्यालय (दक्षिण), बेंगलूरू में 14 सितंबर, 2016 को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री डी.आर. वेंकटसुब्बु, आँचलिक प्रबंधक (दक्षिण) के निर्देशन में श्री अंबरीश कुमार पाठक, तकनीकी अधिकारी ने लिखित प्रश्नोत्तरी, लिखित अनुवाद, स्मृति प्रतियोगिता, समाचार वाचन तथा कथा-कथन का आयोजन किया। प्रतियोगिताओं में कार्मिकों ने अत्यंत उत्साह के साथ सहभागिता की। सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम दो विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। एक कर्मचारी को सभी प्रतियोगिताओं में सहभागिता के लिए विशेष प्रोत्साहन सम्मान दिया गया। इस अवसर पर प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए आयोजन समिति के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। प्रभारी, कार्मिक वर्ग द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात् 'हिन्दी भारत माँ की बिन्दी' गीत के साथ हिन्दी दिवस समारोह का समापन किया गया।

प्रस्तुतिः श्री एच.बूच्चप्पा, तकनीकी प्रबंधक एवं सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति

मनुष्य ही ऐसा जीव है, जो हास्य की शक्ति से संपन्न है---ग्रेविल

राजभाषा गतिविधियाँ: अधीनस्थ कार्यालय

शाखा कार्यालय, चेन्नै

राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा नीति के अंतर्गत राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियम एवं विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों को सुनिश्चित करने के लिए दिनाँक 20-08-2016 को राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री एन.वी. जयकर, अपर महाप्रबंधक एवं प्रभारी, शाखा कार्यालय तथा अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने कार्यशाला का उद्घाटन किया।

श्रीमती एम.यू. सुधामई, उप महाप्रबंधक तथा सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने कार्यशाला में आमंत्रित अतिथि संकाय श्री ए. श्रीनिवासन, हिन्दी अधिकारी, आईसीएफ, चेन्नै का स्वागत किया। श्री ए. श्रीनिवासन ने भारतीय संविधान; राजभाषा अधिनियम, 1963 (यथा संशोधित, 1967) के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

राजभाषा कार्यशाला के अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारीगण

'हिन्दी दिवस' समारोह आयोजन

शाखा कार्यालय, चेन्नै में दिनाँक 14 सितंबर, 2016 को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। श्रीमती एम.यू. सुधामई, प्रभारी अधिकारी (कार्मिक) एवं सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। श्री एन.वी. जयकर, अपर महाप्रबंधक एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिन्दी के विषय में विचार व्यक्त करते हुए शाखा कार्यालय की विभिन्न राजभाषा गतिविधियों पर प्रकाश डाला। श्रीमती एम.यू. सुधामई, प्रभारी अधिकारी (कार्मिक) एवं सदस्य सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी रिपोर्ट को प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर अनुवाद, श्रुतलेखन, पठन एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। श्री एन.वी. जयकर, अपर महाप्रबंधक एवं श्री डी.जे.राव, उप महाप्रबंधक ने प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त विजेताओं को पुरस्कृत किया। श्री आर. सुब्रमणियम, मुख्य अधीक्षक ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान से हुआ। हिन्दी प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्रीमती बी. विजयलक्ष्मी, मुख्य अधीक्षक ने योगदान दिया।

'हिन्दी दिवस' समारोह में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारीगण

श्री ईश्वर चंद्र मिश्र, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बेंगलूरू सुश्री वी.कनका श्री महालक्ष्मी, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक को संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

'ईसीआईएल गौरव' संपादन समिति की ओर से 'सफलतापूर्वक अनुवाद प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए' हार्दिक शुभकामनाएँ

प्रस्तुतिः श्रीमती एम.यू. सुधामई, उप महाप्रबंधक एवं सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति

राजभाषा गतिविधियाँ: अधीनस्थ कार्यालय

यूनिट कार्यालय, तिरुपति

राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

यूनिट कार्यालय, तिरुपति में 30 जून, 2016 को राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशासनिक शब्दावली एवं प्रशासनिक अभिव्यक्तियों के प्रयोग का अभ्यास कराया गया। कार्यशाला का संचालन श्री एस.नौषाद, वरिष्ठ प्रबंधक एवं सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने किया। इस कार्यशाला में कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन

यूनिट कार्यालय, तिरुपति में राजभाषा हिन्दी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए श्री वी. अजया बाबु, अपर महाप्रबंधक एवं प्रभारी, तिरुपति यूनिट तथा अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता में 30 जून, 2016 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सदस्यों ने सुझाव दिया कि कार्यालय के प्रथम तल के कमरों में सूचनापटों को त्रिभाषा में लगाया जाए। बैठक में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के समस्त सदस्यों ने भाग लिया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में सहभागिता

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, तिरुपति के तत्त्वावधान में दिनाँक 14 जुलाई, 2016 को आयोजित 44वीं छमाही बैठक में यूनिट कार्यालय, तिरुपति के ओर से श्री वी. अजया बाबु, अपर महाप्रबंधक एवं प्रभारी, तिरुपति यूनिट तथा अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं श्री एस.नौषाद, वरिष्ठ प्रबंधक एवं सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने प्रतिनिधित्व किया।

प्रस्तुतिः श्री एस. नौषाद, वरिष्ठ प्रबंधक एवं सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के सौजन्य से ईसीआईएल द्वारा प्रदर्शित हिन्दी दिवस शुभकामना बैनर

श्री एम.एम. भांडेकर, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बेंगलूरु श्री एम.सी. प्रेमकुमार राठोड़, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, ईसीआईएल को संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

'ईसीआईएल गौरव' संपादन समिति की ओर से 'सफलतापूर्वक अनुवाद प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए' हार्दिक शुभकामनाएँ

राग के समान कोई दुःख नहीं---महाभारत

डॉ.राउरि भारद्वाज: तेलुगु साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर

*अशोक वी. राव **

तेलुगु साहित्य में डॉ.राउरि भारद्वाज का अत्यंत महत्त्वपूर्ण साहित्यिक योगदान है। समकालीन तेलुगु साहित्य को इनके रचनात्मक योगदान ने एक नई दिशा दी। इनके साहित्य में जीवन के विभिन्न रंगों के दर्शन होते हैं। ये बहुमुखी प्रतिभा के धनी साहित्यकार थे। अपनी रचनाओं में ये कवि, नाटककार, उत्कृष्ट उपन्यासकार तथा लोकप्रिय विज्ञान लेखक आदि सभी रूपों से लेखकीय रचना-धर्मिता एवं रचना-कौशल का परिचय देते हैं। इन्होंने अपनी औपचारिक शिक्षा 7वीं कक्षा तक प्राप्त की लेकिन इनकी अनेक प्रमुख रचनाएँ विश्वविद्यालय स्तर तक के पाठ्यक्रम में हैं। इनके रचनात्मक साहित्य पर अनेक शोधार्थियों को पी-एच.डी. की उपाधि प्रदान की जा चुकी है। राउरि भारद्वाज को आन्ध्र विश्वविद्यालय, नागार्जुन विश्वविद्यालय तथा जवाहर लाल नेहरू प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यालय (जेएनटीयू) से डॉक्ट्रेट की उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है।

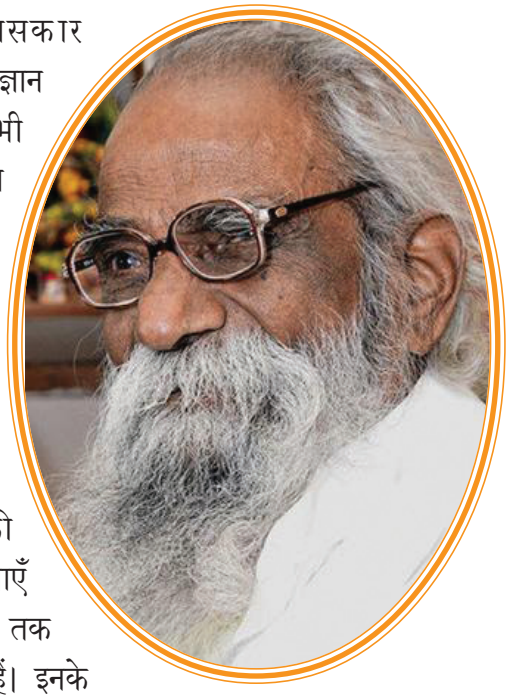

डॉ. राउरि भारद्वाज को फिल्म उद्योग की वास्तविकताओं पर आधारित उनके उपन्यास 'पाकडु रालू' के लिए नई दिल्ली में वर्ष 2012 के लिए 48वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। तेलुगु साहित्य में ये तीसरे ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता हैं। इनसे पूर्व तेलुगु साहित्य में सन् 1970 में श्री विश्वनाथ सत्यनारायण को उनकी रचना 'रामायणकल्पावरुक्षमु' तथा सन् 1988 में डॉ. सी. नारायण रेड्डी को 'विश्वंभरा' के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया जा चुका है। डॉ. राउरि भारद्वाज के तेलुगु में 37 लघु कथा संग्रह, 17 उपन्यास, 3 निबंध संग्रह तथा 8 नाटक प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने बच्चों के लिए 6 लघु उपन्यास कादंबरी, पकुदुराल्लू, जीवन समारम, इनुपू तेरा वक्कुका कौमुदी और 6 लघु कथा संग्रह की रचना की है। इनके अधिकाँश रचनाकर्म का प्रमुख भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है। डॉ. राउरि भारद्वाज को साहित्य अकादमी पुरस्कार एवं सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इनके साहित्यिक सृजन के लिए दो बार राज्य साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा वर्ष 1983 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन्होंने तीन दशक से अधिक समय तक आकाशवाणी में अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

डॉ. राउरि भारद्वाज को फिल्म उद्योग की वास्तविकताओं पर आधारित उनके उपन्यास 'पाकडु रालू' के लिए नई दिल्ली में वर्ष 2012 के लिए 48वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया

अन्य प्रमुख पुरस्कार:

सन् 1968: गोपी चंद साहित्य पुरस्कार

सन् 1983: साहित्य अकादमी पुरस्कार

सन् 1987: राजलक्ष्मी पुरस्कार

सन् 2009: लोकनायक फाउन्डेशन का साहित्य पुरस्कार

86 वर्ष की आयु में दिनाँक 18 अक्टूबर, 2013 को हैदराबाद में इनका देहावसान हो गया।

◆

* **श्री अशोक वी. राव**, अभियाँत्रिकी सेवा प्रभाग में वरिष्ठ प्रबंधक हैं। भारतीय भाषाओं के साहित्यकारों के अध्ययन में इनकी विशेष रुचि है। साहित्यिक इतिहास के प्रति इनके लेखन में एक सशक्त रचनात्मक कौशल का प्रयास परिलक्षित होता है। ये राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी रह चुके हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस-2016

ईसीआईएल में 11 मई, 2016 को निगमीय अनुसंधान एवं विकास द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वर्ष 2015-16 की अवधि में ईसीआईएल द्वारा विकसित किए गए नए उत्पादों तथा विभिन्न अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों को प्रदर्शित किया गया। समारोह में डॉ. एन. साईंबाबा, विशिष्ट वैज्ञानिक, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र (एनएफसी), हैदराबाद को मुख्य अतिथि तथा श्री सी.के. पिथावा, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं राजा रमन्ना फेलो, बीएआरसी, मुंबई को सम्माननीय अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। श्री बी. अशोक कुमार, अपर महाप्रबंधक ने सम्माननीय अतिथियों को मंच पर आमंत्रित किया।

श्री अनुराग कुमार, महाप्रबंधक (उपकरण एवं प्रणाली वर्ग तथा निगमीय अनुसंधान एवं विकास) ने अपने स्वागत भाषण में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्येगिकी दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर अनुसंधान एवं विकास रिपोर्ट-2016 का विमोचन करते हुए (दाएँ से) श्री किशोर रुंगटा, निदेशक (वित्त); डॉ. एन. साईंबाबा, मुख्य अतिथि; श्री पी. सुधाकर, अप्रनि; श्री सी.के. पिथावा, सम्माननीय अतिथि एवं श्री अनुराग कुमार, महाप्रबंधक (उपकरण एवं प्रणाली वर्ग तथा निगमीय अनु. एवं वि.)

देश में विभिन्न प्रौद्योगिकी उपलब्धियों को जानने के लिए किया जाता है। श्री पी. सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा कि देश के अनेक सामरिक क्षेत्रों में भारत ने सीमित संसाधन होने पर भी चुनौतियों का सामना किया है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि 'भारतीय बौद्धिक संपदा' की अवधारणा पर 'इन हाउस' उत्पादन में 'आत्म निर्भरता' का सिद्धाँत सदैव मार्गदर्शक रहा है। श्री किशोर रुंगटा, निदेशक (वित्त) ने भारत के महान वैज्ञानिकों का स्मरण करते हुए कहा कि जिन वैज्ञानिकों एवं अभियंताओं ने प्रौद्योगिकी के प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता दिलाई है, राष्ट्र को उन पर गर्व है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. एन. साईंबाबा, विशिष्ट वैज्ञानिक, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र (एनएफसी) विशेष व्याख्यान देते हुए

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. एन. साईंबाबा, विशिष्ट वैज्ञानिक, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र (एनएफसी) ने ''परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा नाभिकीय क्षेत्र में नव-प्रवर्तनकारी योगदान'' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में उन्होंने परमाणु ऊर्जा के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। सम्माननीय अतिथि श्री सी.के. पिथावा, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं राजा रमन्ना फेलो, बीएआरसी, मुंबई ने पोखरन परीक्षण के संबंध में अपने अनुभवों को व्यक्त किया। समारोह में सम्माननीय अतिथियों द्वारा अनुसंधान एवं विकास रिपोर्ट 2016 का विमोचन किया गया। इस रिपोर्ट को द्विभाषी (हिन्दी एवं अंग्रेजी) में प्रकाशित किया गया। रिपोर्ट में 2015-16 की अवधि में ईसीआईएल द्वारा विकसित नए उत्पादों, प्रौद्योगिकियों तथा ईसीआईएल द्वारा प्राप्त पुरस्कारों एवं हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों से परिचित कराया गया है। श्री के.सी. मीनाक्षी सुंदरम, प्रमुख, निगमीय अनुसंधान एवं विकास ने धन्यवाद ज्ञापित किया। ◆

प्रस्तुति: निगमीय अनुसंधान एवं विकास

महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम
झलकियाँ

एबीएन आन्ध्रा ज्योति समाचार चैनेल के साथ श्री पी.सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भेंटवार्ता करते हुए

ईसीआईएल में 'हरिता हारम' कार्यक्रम में श्री पी.सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा वरिष्ठ अधिशासीगण

डीएई कॉलोनी में 'स्वच्छ भारत' कार्यक्रम में श्री पी.सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा वरिष्ठ अधिशासीगण

ईसीआईएल की आँतरिक टेलीफोन निर्देशिका का विमोचन करते हुए श्री पी.सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

वेहकिल माउन्टेड जैमर को श्री पी.सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रस्थानित करते हुए। साथ में: अन्य वरिष्ठ अधिशासीगण

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर श्री पी.सुधाकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा वरिष्ठ अधिशासीगण योगासन करते हुए

शंकाओं की समाप्ति शाँति का आरंभ है---पेट्रार्क

ईसीआईएल एवं निगमीय सामाजिक दायित्व

वी.एस.बी. बाबु *

इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड की निगमीय सफलता एवं समाज कल्याण परस्पर निर्भर हैं तथा इससे निगमीय कार्यों में सामाजिक मूल्यों का विकास होता है

निगमीय सामाजिक दायित्व: गतिविधियाँ

ईसीआईएल मुख्यालय, हैदराबाद में दिनाँक 25-05-2016 को निगमीय सामाजिक दायित्व कार्यक्रम समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में डॉ. शेखर बसु, अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग तथा सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, मुंबई मुख्य अतिथि थे। डॉ. शेखर बसु ने निगमीय सामाजिक दायित्व के अंतर्गत समाज के वंचित एवं सुविधाहीन समुदाय के विकास हेतु ईसीआईएल द्वारा किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। ईसीआईएल ने कमलानगर, नागवरम, रामपल्ली तथा चेरियाल के विद्यालयों के छात्रों को पढ़ने के लिए कमरे, प्रसाधन, बैठने और पढ़ने के लिए कुर्सी-मेजें

डॉ. शेखर बसु, अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग तथा सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, मुंबई; ईसीआईएल द्वारा आयोजित निगमीय सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत एलईडी बल्ब देते हुए

तथा कंप्यूटर शिक्षा दी। इन विद्यालयों में अध्ययन-अध्यापन की मूलभूत सुविधाओं के सुविकास के कारण तेलंगाना सरकार द्वारा इन विद्यालयों को सर्वोत्तम विद्यालय चुना गया। समारोह में विद्यालयों की दो छात्राओं कु. अंजलि, जिला पंचायत हाईस्कूल, नागवरम तथा कु. याश्मीन ख़ातून, जिला पंचायत हाईस्कूल, रामपल्ली ने विद्यालय में पढ़ने की सुविधाओं, कंप्यूटर शिक्षा तथा उनके

इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के निगमीय सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के प्रति आभार व्यक्त करती हुई जिला पंचायत हाईस्कूल विद्यालय, रामपल्ली की छात्रा

विद्यालय में मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए ईसीआईएल प्रबंधन के प्रति सादर आभारपूर्ण कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में घनपुर एवं घटकेसर मंडल के आसपास रहने वाले आदिवासियों को एलईडी बल्ब दिए गए। ईसीआईएल के नालंदा परिसर में आयोजित इस समारोह में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, वरिष्ठ निदेशकगण एवं वरिष्ठ अधिशासीगण उपस्थित थे।

इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के निगमीय सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित समारोह में सहभागिता करती हुईं महिलाएँ

◆

* **श्री वी.एस.बी. बाबु**, निदेशक (कार्मिक) तथा उपाध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति हैं। मानव संसाधन नीतियों तथा श्रमिक नियमों के कार्यान्वयन के क्षेत्र में इनको विशेष अनुभव है। निगमीय सामाजिक दायित्व से संबंधित शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल-विकास तथा पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यों में इनका योगदान प्रशंसनीय है।

ईसीआईएल मजदूर संघ के पदाधिकारी

पदाधिकारी का नाम श्री/सुश्री	पदनाम	ईसीआईएल मजदूर संघ में पद
एस. सुरेन्दर रेड्डी	आर्टिजन-'बी'	अध्यक्ष
बी. जंगा रेड्डी	वरिष्ठ अधीक्षक	कार्यवाहक अध्यक्ष
एम. मोहन रेड्डी	मास्टर तकनीशियन	उपाध्यक्ष
मोहम्मद गौस	टीएम-'ई'	उपाध्यक्ष
वाई. वी. सत्यनारायणा	वरिष्ठ मास्टर तकनीशियन	उपाध्यक्ष
के. नरसिंग राव	सहायक फोरमेन	महासचिव
जी. रमेश	वरिष्ठ मास्टर तकनीशियन	उप महासचिव
डी. सुरेन्दर रेड्डी	आर्टिजन-'बी'	संयुक्त सचिव
एन. तुलसी रेड्डी	अधीक्षक/क्रय	संयुक्त सचिव
बी. ललिता कुमारी	आर्टिजन-'सी'	महिला संयुक्त सचिव
टी. सुधाकर	वैज्ञानिक सहायक-'बी'	आयोजन सचिव
के. श्रीनिवास	टीएम-'सी'	आयोजन सचिव
सी. मल्लेश	कार्य सहायक	आयोजन सचिव
सी.एच. बाला नरसिम्हा	टीएम-'ई'	आयोजन सचिव
के. प्रदीप कुमार	ट्रेड्समेन-'सी'	आयोजन सचिव
एस. एन. अजय कुमार	ट्रेड्समेन मेट-'ई'	कोषाध्यक्ष

ईसीआईएल अधिकारी संघ (ईसी ओए) के पदाधिकारी

पदाधिकारी का नाम श्री/सुश्री	पदनाम	ईसी ओए में पद
श्रीनिवास गौड़ पी.	वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक	अध्यक्ष
दारला रामुलु	वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक	सचिव
वेंकन्ना डी.	वरिष्ठ प्रबंधक	उपाध्यक्ष
शेषागिरि राव एम.	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	उपाध्यक्ष
मोहन राव वी.	वरिष्ठ प्रबंधक	उपाध्यक्ष
कमल कांत	तकनीकी प्रबंधक	संयुक्त सचिव
बाबू राव बी.	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	संयुक्त सचिव
प्रेम किरण जी.	तकनीकी प्रबंधक	संयुक्त सचिव
जगदीश वी.	वरिष्ठ प्रबंधक (लेखा)	कोषाध्यक्ष
पद्मावती एल. वी.	तकनीकी प्रबंधक	संयुक्त सचिव (महिला)

काव्याँजलि

काम का दाम

दिन रात परिश्रम करते
कितने अनाम
मेरा उनको शत्-शत् प्रणाम
नहीं चाहिए झूठी शान
नहीं चाहिए धार्मिक धाम
उन्हें चाहिए काम धाम
उनकी एक ही आशा.....
एक ही अभिलाषा.....
एक ही प्रत्याशा.....
बस! और कुछ नहीं
बस! केवल बस!
'काम का दाम'
किसान की उपज का सही दाम
जब मिलेगा योग्यता के अनुसार सबको काम
मज़दूरों की मेहनत का सही दाम
खुशहाल होगा ग्राम-ग्राम
तभी सच्चे अर्थों में साकार होगा.....
जय जवान!
जय किसान!
जय विज्ञान!

वेलुरु सूर्यप्रकाश
वरिष्ठ प्रबंधक
आँचलिक कार्यालय (पूर्व)
कोलकाता

संदेशा आया है

ईसीआईएल गौरव, अंक-6 'आरडीई' विशेषाँक प्राप्त हुआ, जिसे विद्यालय की वरिष्ठ अध्यापिका श्रीमती फहमिदा बानु ने विद्यार्थियों के सम्मुख प्रस्तुत कर उन्हें डॉ. राजा रमन्ना के वैज्ञानिक योगदान, विकिरणीय संसूचन उपस्कर प्रणाली, राजभाषा कार्यशाला एवं कार्यान्वयन संबंधी जानकारियों का अवगाहन कराया। पत्रिका का सुदूर दक्षिण भारत में प्रकाशित होकर उत्तर भारत के विशुद्ध ग्रामीण परिवेश के विद्यालय बड़ोलीघाटा के ग्राम्य विद्यार्थियों के हाथों पुस्तकालय में पढ़ा जाना भारत की एकता का प्रमाण है।

डॉ. रवीन्द्र कुमार उपाध्याय, प्रधानाचार्य
राजकीय उच्च माध्य. विद्यालय, बड़ोलीघाटा, चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)

पत्रिका में सम्मिलित की गईं सभी रचनाएँ श्रेष्ठ एवं महत्त्वपूर्ण हैं। पत्रिका की भाषा एवं प्रस्तुति में संपादकीय कौशल और परिश्रम स्पष्ट दिखाई पड़ता है। मुझे विश्वास है कि ईसीआईएल देश की सशस्त्र सेनाओं को और अधिक क्षमतावान बनाएगा।

मृत्युंजय कुमार अवस्थी, उप प्रबंधक (राजभाषा)
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, कानपुर

पत्रिका में विकिरण प्रौद्योगिकी से संबंधित आलेख 'विकिरण संसूचन उपस्कर प्रणाली' को विशेषाँक रूप में प्रस्तुत करना निगम में तकनीकी क्षेत्र में राजभाषा हिन्दी में हो रही प्रगति को इंगित करता है। यह अत्यंत प्रशंसनीय है। इसके अतिरिक्त विकिरण संसूचन उपस्कर प्रणाली का विकास हमारे देश द्वारा किए जा रहे स्वदेशीकरण के प्रयासों की ओर एक अग्र कदम है, जिस पर हम सभी देशवासियों को गर्व होना चाहिए।

उदय नारायण राय, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-I
क्षेत्रीय निदेशक, वैमानिक गुणता आश्वासन कार्यालय, हैदराबाद

पत्रिका का एक-एक अक्षर पढ़ने के बाद गर्व से कह सकता हूँ कि 'ईसीआईएल गौरव' अंक-प्रति-अंक नए आयाम प्रस्तुत कर रही है। 'विश्व हिन्दी दिवस' एवं 'कवि सम्मेलन' के सफल आयोजन पर मैं आपको विशेष रूप से बधाई देना चाहूँगा।

प्रदीप शर्मा
रक्षा लेखा नियंत्रक (अनुसंधान एवं विकास) कार्यालय, बेंगलूरू

✻ डॉ. महेश कुमार वैरागी, संयुक्त कुलसचिव, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद ✻ प्रो. अन्नपूर्णा सी., विभागाध्यक्ष, अनुवाद विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा ✻ आर.के. चौधुरी, राज्य निदेशक, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, राज्य कार्यालय, हैदराबाद ✻ प्रकाश नाईक, भारलेसे, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, रक्षा लेखा नियंत्रक (अनु. एवं वि.) कार्यालय, हैदराबाद ✻ राकेश कुमार सुन्दरियाल, हिन्दी अधिकारी, सैन्ट्रल कॉटेज इण्डस्ट्रीज कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड, नई दिल्ली ✻ महेश्वर घनकोट, हिन्दी अधिकारी, मुख्य नियंत्रण सुविधा, अंतरिक्ष विभाग, हासन ✻ हुमने के.ए., हिन्दी अधिकारी, सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद ✻ के. सनातनन, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, उन्नत आंकड़ा संसाधन अनुसंधान संस्थान (एड्रिन), सिकंदराबाद ✻ रवि कुमार, सहायक निदेशक (राजभाषा), प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त का कार्यालय, हैदराबाद ✻ आर. महेश्वरी अम्मा, हिन्दी अधिकारी, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र, तिरुवनंतपुरम ✻ देवा प्रसाद मयला, महासचिव, साहित्य सेवा समिति, हैदराबाद ✻ उत्तम कुमार दास, हिन्दी नोडल अधिकारी, हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हैदराबाद ✻ डॉ. सुपर्णा मुखर्जी, हिन्दी प्राध्यापिका, सेन्ट ऐन्स जूनियर तथा डिग्री कॉलेज, मल्काजगिरि, हैदराबाद ✻ कपिल देव प्रसाद दूबे, वरिष्ठ प्रबंधक (कॉरपोरेट संचार), टीएचडीसी इण्डिया लिमिटेड, ऋषिकेश ✻ संतोष बी. गुप्ता, विशेष कार्यकारी अधिकारी, सु सहित्य पुस्तकालय, अमरावती ✻ डॉ. एस. नसीमा, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद ✻ श्याम पी. अकोलकर, सहायक निदेशक (राजभाषा), रक्षा इलेक्ट्रॉनिकी अनुसंधान प्रयोगशाला, हैदराबाद ✻ ए. अम्बादास, वरिष्ठ हिन्दी प्राध्यापक, हिन्दी शिक्षण योजना, हैदराबाद ✻ सुरेन्द्र सिंह राजपूत, उप महाप्रबंधक (भंडार), इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड, मणवालकुरिच्चि, कन्याकुमारी ✻ अरुण कुमार मंडल, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, कृते मंडल रेल प्रबंधक (राज), सिकंदराबाद ✻ राजू पाण्डेय, प्रबंधक (राजभाषा), भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड, कल्पाक्कम

प्रतिक्रियाएँ भेजने के लिए *'ईसीआईएल गौरव संपादन समिति'* आपके प्रति सादर आभार व्यक्त करती है

बिना श्रम के कोई भी प्रगति नहीं कर सकता---सोफोक्लिज

वरिष्ठ अधिशासीगणों के लिए प्रबंधन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर
श्री किशोर रुंगटा, निदेशक (वित्त) (मध्य में बैठे हुए); मेजर जनरल अतुल मेहरा (नि.), कार्यपालक निदेशक,
सूचना प्रौद्योगिकी एवं दूर संचार वर्ग (दाएँ) तथा श्री सी.के. पोद्दार, प्रख्यात वरिष्ठ संकाय (बाएँ)
प्रशिक्षण स्थलः नालंदा परिसर, निगमीय अध्ययन एवं विकास केन्द्र, ईसीआईएल

ईसीआईएल को इलेक्ट्रानिकी के क्षेत्र में
50 वर्षों से उत्कृष्ट योगदान के लिए
भारत का सर्वोच्च पीएसयू पुरस्कार-2016
प्रदान किया गया

इकाEC

इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड

भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम
ईसीआईएल (पो.), हैदराबाद - 500 062
वेबः www.ecil.co.in